दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03, अंक 205 | ग्वालियर शनिवार 1 अगस्त 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

देश में कोरोना संक्रमण 16 लाख के पार

35 हजार से अधिक मृत, बिहार अभी भी टेस्टिंग में सबसे लचर

नई दिल्ली। शुक्रवार 31 जुलाई को देश में कोरोना संक्रमण के 55,078 नए मामले सामने आए हैं. जिसके साथ ही देश में कोरोना मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 16 लाख के पार चली गई है. वहीं देश में कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा भी 35 हजार के पार चला गया है, जो कि दुनिया में पांचवां सबसे बड़ा आंकड़ा है. बता दें कि जुलाई माह में ही कोरोना से 18 हजार से अधिक लोगों की जान चली गई है. आंकड़ों पर नजर डालें तो संक्रमण की इस रफ्तार के अभी थमने के आसार नहीं हैं. बता दें कि एक व्यक्ति से कितने लोगों को कोरोना का संक्रमण फैल रहा है, उसे आरटी दर से मापा जाता है. राहत की बात ये है कि भारत में अभी यह दर 1.17 फीसदी है. राजधानी दिल्ली में आरटी दर सबसे कम यानि कि 0.88 फीसदी है. इसके बाद नागालैंड 0.90 फीसदी, मेघालय 0.96 फीसदी, तेलंगाना 1.01 फीसदी और लद्दाख-हरियाणा का नंबर आता है, जहां आरटी वैल्यू की दर 1.07 फीसदी है. देश में सबसे ज्यादा आरटी वैल्यू की दर त्रिपुरा में है, जहां एक कोरोना पॉजिटिव 1.52 फीसदी लोगों को संक्रमित कर रहा है. इसके बाद अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, हिमाचल का नंबर आता है. रिपोर्ट के अनुसार, देश में पॉजिटिविटी रेट 11.07 फीसदी से घटकर 10.32 फीसदी हो गया है. बता दें कि पॉजिटिविटी रेट कुल टेस्ट में कोरोना पॉजिटिव मिलने वाले मरीजों की दर है. देश में पॉजिटिविटी रेट सबसे कम अरुणाचल प्रदेश में है, जो कि 1.71 फीसदी है. जिन राज्यों में सबसे ज्यादा पॉजिटिविटी रेट है, उनमें महाराष्ट्र (19.28 प्रतिशत) शामिल है. महाराष्ट्र के अलावा पुडुचेरी में 17.30 फीसदी, कर्नाटक में 16.11 फीसदी और बिहार में 15.35 फीसदी पॉजिटिविटी रेट है. कोरोना की टेस्टिंग के मामले में जो राज्य पिछड़े हुए हैं, उनमें बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश का नाम आता है. प्रति 10 लाख लोगों को आधार बनाए तो बिहार में सबसे कम 4210 टेस्ट हुए हैं. वहीं झारखंड में 7415, पश्चिम बंगाल में 8778, एमपी में 8820 और यूपी में 9289 टेस्ट हुए हैं. जिन राज्यों में सबसे ज्यादा टेस्टिंग करायी गई है, उनमें गोवा (प्रति 10 लाख पर 81,777 टेस्टिंग) और दादर और नगर हवेली (68041) का नंबर आता है. इसके बाद लद्दाख, अंडमान निकोबार और फिर दिल्ली का नंबर है.

डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को वेतन न मिलने पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र सरकार को अल्टीमेटम

नई दिल्ली। कोरोना काल में अपनी जिंदगी को खतरे में डालकर मरीजों की जान बचाने वाले डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों को वेतन न मिलने पर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी नाराजगी जताई है. सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए केंद्र सरकार को 10 अगस्त तक का अल्टीमेटम दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि केंद्र सरकार इतनी भी कमजोर नहीं कि राज्यों को दिए निर्देशों पर अमल सुनिश्चित न करवा पाए. दरअसल दिल्ली, महाराष्ट्र, पंजाब, त्रिपुरा और कर्नाटक में कोरोना मरीजों के इलाज में जुटे डॉक्टरों और हेल्थ केअर स्टाफ को नियमित तौर पर वेतन नहीं मिल पा रहा है. इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी नाराजगी जाहिर की. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह पहले ही कह चुका है कि कोरोना मरीजों के इलाज में लगे डॉक्टरों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए. इसके बाद भी कोर्ट में ऐसे मामले आ रहे हैं कि डॉक्टरों को वेतन नहीं मिल पा रहा है इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 17 जून को कोरोना मरीजों के इलाज में लगे डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को समय पर वेतन देने के लिए केंद्र सरकार को सभी राज्यों को निर्देश देने को कहा था. जस्टिस अशोक भूषण, जस्टिस एसके कौला और जस्टिस एमआर शाह ने अपने आदेश में कहा था कि डॉक्टरों को तनख्वाह नहीं मिलने की बात मीडिया में सामने आई थी, ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होनी चाहिए. पीठ ने इस मामले में 4 हफ्ते में केंद्र से अनुपालन रिपोर्ट भी मांगी और चेताया कि आदेश का पालन नहीं करने को गंभीरता से लिया जाएगा.

पंजाब में जहरीली शराब पीने से 30 लोगों की मौत

अमृतसर/तरनतारन/बटाला। पंजाब के कई जिलों में जहरीली शराब पीने से 30 लोगों की मौत हो गई. मरने वाले तरनतारन, अमृतसर और बटाला क्षेत्र के हैं. इससे पहले पांच लोगों की मौत हो गई थी. आज 31 जुलाई शुक्रवार को 25 और लोगों ने दम तोड़ दिया. इससे हड़कंप मच गया है. मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पूरी मामले की जांच के आदेश दिए हैं. वीरवार को मारे गए पांच लोगों के परिजनों ने इस संबंध में पुलिस को बिना सूचना दिए शवों का अंतिम संस्कार कर दिया. तरनतारन में 15, अमृतसर में आज दो और बटाला में दो लोगों की मौत हुई है. दो दिन में अमृतसर में नौ और बटाला के छह लोगों की मौत जहरीली शराब पीने से हुई है. मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने अमृतसर, बटाला और तरनतारन में शराब पीने से हुई मौतों के मामले में जालंधर के डिविजनल कमिश्नर को न्यायिक जांच करने के आदेश दिए हैं. इस जांच में ज्वाइंट एक्सरसाइज एंड टैक्सेशन कमिश्नर और संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षक भी शामिल होंगे. अकेले तरनतारन जिले में शुक्रवार को सात लोगों की मौत की खबर आई. इससे पहले गत शनिवार को भी तीन लोगों की मौत हुई थी और एक शख्स की आंखों की रोशनी चली गई थी. जिले के गांव रटौल में शराब पीने से तीन लोगों की मौत हो गई थी और एक व्यक्ति की आंखों की रोशनी चली गई. पीड़ित परिवारों ने भी पुलिस को सूचित किए बिना ही शवों का अंतिम संस्कार कर दिया था. अब उन्होंने पुलिस को शिकायत देकर नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. मृतकों की पहचान 48 वर्षीय रौनक सिंह, 50 वर्षीय मजदूर जोगिंदर सिंह और 27 वर्षीय युवक सुरजीत सिंह के रूप में हुई थी. तरनतारन के डीएसपी सुच्चा सिंह बल्ल ने कहा कि गांव रटौल के किसी भी व्यक्ति ने इस घटना की सूचना पुलिस को नहीं दी. अब शिकायत मिली है. कार्रवाई जरूर की जाएगी. एक माह में अवैध शराब का कारोबार करने वाले सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है. डीसी कुलवंत सिंह धूरी ने कहा कि मामला उनके ध्यान में आ गया है. जांच के लिए एसडीएम रजनीश अरोड़ा की ड्यूटी लगाई जा रही है. उन्हें आदेश दिया है कि ग्रामीणों के बयान दर्ज करके रिपोर्ट दें. अमृतसर के गांव मुछल में गुरूवार की सुबह शराब पीने के बाद पांच लोगों की मौत हो गई थी. ग्रामीणों के अनुसार, मौत जहरीली शराब पीने से हुई. मृतकों की पहचान बलविंदर सिंह, मंगल सिंह, बलदेव सिंह टांगरा, कुलदीप सिंह उर्फ गुरप्रीत सिंह और दलबीर सिंह के रूप में हुई है. स्थानीय पुलिस ने आनन-फानन में मारे गए दो लोगों का अंतिम संस्कार भी करवा दिया था. हालांकि मीडिया में मामला आने के बाद पुलिस ने तीन शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था. ग्रामीणों का कहना है कि अवैध शराब बेची जा रही है और पुलिस मामले में कोई कार्रवाई नहीं करती.

ऑनलाइन क्लास को लेकर एमपी हाईकोर्ट ने पूछा,

बिना मान्यता के कैसे चल रही हैं क्लासेस

भोपाल. मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में ऑनलाइन क्लासेस को लेकर प्रदेश के स्कूल संचालकों से पूछा है कि आखिर वह बिना मान्यता के ऑनलाइन क्लासेस कैसे संचालित कर रहे हैं? प्रदेश में निजी स्कूलों को फिजीकल क्लास संचालित करने की मान्यता मिली हुई है. कोर्ट में जनहित याचिका पर बोलते हुए अधिवक्ता अतुल कुमार जैन ने कहा कि जब दुनिया कोराना से जूझ रही है, तब स्कूल संचालक छात्रों और पालकों को परेशान कर रहे हैं पीआईएल पर मुख्य न्यायाधीश अजय कुमार मित्तल व जस्टिस राजीव कुमार दुबे की युगलपीठ सुनवाई कर रही है.

कोर्ट में याचिकाकर्ता के वकील ने पूछा कि जब प्रदेश सरकरा निजी स्कूलों को फिजिकल क्लासेस चलाने के लिये मान्यता देती है, तो फिर आखिर स्कूल ऑनलाइन क्लासेस कैसे संचालित कर रहे हैं? प्रदेश में स्कूल संचालक ऑनलाइन क्लास के नाम पर पालकों से जबरन फीस वसूल रहे हैं और इस मामले में किसी तरह की पारदर्शिता भी नहीं है. अगर नियम की बात की जाए तो कोई भी स्कूल फिजिकल क्लासेस की ट्यूशन फीस को ऑनलाइन क्लासेस के नाम से नहीं वसूल सकता. अब इस मामले की सुनवाई पहले से विचाराधीन जनहित याचिकाओं के साथ 10 अगस्त को होगी.

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में ईडी की एंट्री, धनशोधन का मामला दर्ज किया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के सिलसिले में धनशोधन का एक मामला दर्ज कर लिया है. अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने अपनी शिकायत में धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएएल) के तहत आपराधिक आरोप लगाने के लिए अभिनेता रिया चक्रवर्ती और कुछ अन्य के खिलाफ बिहार पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी का संज्ञान लिया है. अधिकारियों ने कहा कि अभिनेता की मौत और मृतक के खिलाफ की गई कथित आर्थिक गड़बडियों से संबंधित मामले में प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की गई है. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हाल ही में बिहार पुलिस से प्राथमिकी की प्रति मांगी थी. सुशांत के पिता कृष्ण कुमार सिंह (74) ने चक्रवर्ती, उनके परिवार के सदस्यों और छह अन्य के खिलाफ उनके बेटे को आत्महत्या के लिए उकसाने को लेकर पुलिस में मंगलवार को शिकायत दर्ज कराई थी।

मुस्लिम महिलाओं ने पीएम मोदी की फोटो पर बांधी राखी

नई दिल्ली। तीन तलाक कानून की पहली वर्षगांठ पर शुक्रवार को वाराणसी के मुस्लिम बाहुल्य दालमंडी इलाके में जश्न मना। मुस्लिम महिलाओं ने इस दौरान अपने सांसद और देश के प्रधानमंत्री की तस्वीर को राखी बांधी और मिठाई भी खिलाई। वहीं मुस्लिम महिला फाउण्डेशन एवं विशाल भारत संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में सुभाष भवन, इन्द्रेश नगर, लमही में महिला कचहरी आयोजित कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिये बधाई गीत गाया गया। मोदी सरकार ने ठीक एक साल पहले तीन तलाक जैसी कुप्रथा को खत्म करने के लिए कानून बनाया था। मौके पर मौजूद सीमा बानो ने कहा कि वो पीएम मोदी को अपना भाई मानती हैं। रक्षाबंधन पर राखी बांधकर मिठाई भी खिला रहीं हैं। उन्होंने कहा कि तीन तलाक को लेकर कानून पर हम मुस्लिम बहनें पीएम मोदी की शुक्रगुजार हैं। इस मौके पर बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा वाराणसी के महामंत्री शेख मो. आसिफ ने बताया कि 2014 में मोदी सरकार ने आते ही मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से निजात दिलाने के लिए तीन तलाक को हटाने का मुद्दा उठाया। राज्यसभा में बहुमत न होने के चलते यह बिल पास नहीं हो सका।

देश में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध 31 अगस्त तक बढ़ाया गया

नई दिल्ली। कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच सरकार ने अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक यात्री उड़ानों को 31 अगस्त तक के लिए निलंबित कर दिया है। शुक्रवार शाम को नागरिक विमानन महानिदेशालय ने इस बात की जानकारी दी है। बता दें कि कोरोना लॉकडाउन की वजह से सभी अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक यात्री उड़ानें ठप हैं। अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक यात्री उड़ानें निलंबित होने की वजह से भारत सरकार विदेश में फंसे लोगों को स्वदेश लाने के लिए वंदे भारत मिशन अभियान चला रही है। इस अभियान के तहत विदेश में फंसे लोगों को चरणबद्ध तरीके से भारत लाया जा रहा है। इसके लिए एयर इंडिया की मदद भी ली जा रही है।

संकल्प की चेन जोड़ो- कोरोना की चेन तोड़ो: कोई भी जिला राज्य स्तर से स्वीकृति के बिना नहीं कर पाएगा लॉकडाउन

प्रदेश में 1 अगस्त से 14 अगस्त तक किल कोरोना अभियान-2

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि किल कोरोना अभियान के दूसरे चरण के रूप में 1 अगस्त से 14 अगस्त तक प्रदेश में संकल्प की चेन जोड़ो, कोरोना की चेन तोड़ो, अभियान चलाया जाएगा। यह मुख्य रूप से जागरूकता अभियान है जिसके अंतर्गत अनिवार्य रूप से मास्क लगाने एवं फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन करने के लिए लोगों को जागरूक किया जाएगा तथा इसके माध्यम से कोरोना के संक्रमण को समाप्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमें अपनी अर्थव्यवस्था को गतिमान करना है। अत: अब प्रदेश के किसी भी जिले में पूर्व से घोषित तथा रविवार के लॉकडाउन के अलावा अन्य लॉक डाउन नहीं किए जा सकेंगे। यदि किसी जिले में अपरिहार्य कारणों से लॉक डाउन की आवश्यकता होती है तो उसे राज्य स्तर से अनुमति प्राप्त करनी होगी। कोई कलेक्टर अपनी मर्जी से जिले में लॉकडाउन नहीं कर पायेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान चिरायु अस्पताल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे थे। वीसी में गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, स्वास्थ्य मंत्री श्री प्रभुराम चौधरी, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान आदि उपस्थित थे मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इंदौर जिले की समीक्षा के दौरान वहां कोरोना संक्रमण रोकने एवं मृत्यु दर को कम करने के लिए किए गए कार्यों की सराहना की। कलेक्टर इंदौर ने इस संबंध में की गई कार्यवाही की विस्तृत जानकारी दी। इंदौर में संभाग आयुक्त द्वारा प्रतिदिन डीन मेडिकल कॉलेज के साथ बैठक कर मृत्यु के प्रकरणों की समीक्षा की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि अन्य संभागों में भी इस व्यवस्था को लागू किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए प्रदेश में होम एवं इंस्टीट्यूशनल क्वारेंटाइन किया जा रहा है।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज़ चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें कार्यालय : ए ब्लॉक, 404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव, गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478, 7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

जगनेर की तालाब की खुदाई में निकली प्राचीन मूर्तियां मंदिर होने का अनुमान

रिपोर्टर खैरागढ़:-राजकुमार राजपूत

जगनेर (आगरा) जगनेर ब्लॉक के गांव नोनी में बुधवार शाम मछली पालन के लिए तालाब की हो रही थी खुदाई मैं 6 प्राचीन मूर्तियां निकली है तालाब पर पर मूर्तियां निकलने से लोग यहां प्राचीन मंदिर होने का अनुमान लगा रहे हैं साथ ही लोगों ने पूजा-अर्चना भी शुरू कर दी है मामले की जानकारी प्रशासन व पुरातत्व विभाग को दे दी गई है जगनेर के गांव नोनी में बुधवार को किसान गंगाराम अपने खेत में मछली पालन के लिए जेसीबी से खुदाई करवा रहे थे करीब 8 फुट खुदाई के बाद जेसीबी का हुक भारी चीज से टकराया इसके बाद लोगों ने वहां आसपास फावड़े से खुदाई की खुदाई में 6 मूर्तियां निकली ग्रामीणों ने से शिव परिवार और हनुमान जी की मान रहे हैं खुदाई में मूर्तियां निकलने पर देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई लोगों ने पूजा-अर्चना भी शुरू कर दी है

अंदाजा: पहली या दूसरी सदी की हो सकती हैं

खुदाई में एक शिवलिंग जैसा पत्थर भी निकला है साथ ही कुछ प्रतिमाएं भी हैं लाल पत्थर पर आकृति भी उकेरी गयी है जानकारों का अनुमान है इसका निर्माण पहली या दूसरी सदी में हुआ होगा क्योंकि गुप्त काल में लाल पत्थर पर कलाकृति का साक्ष्य मिलता था ग्रामीणों का कहना है कि इन मूर्तियों की स्थापना की जाएगी पूर्व में यहां कोई विरासत रही होगी फिलहाल ग्रामीणों ने मूर्तियों को तालाब के किनारे बनखंडी महादेव मंदिर के पास रख दिया है पुलिस ने चौकसी बढ़ाई ग्रामीणों ने पूजा-अर्चना कर आस्था बढ़ाई

इतिहास: आल्हा ऊदल के मामा का राज था यहाँ

इतिहासकार सुगम आनंद ने बताया कि जगनेर में पहले भी प्राचीन मूर्तियां मिल चुकी है वे 10 वीं सदी की थी आगरा और आसपास प्राचीन मूर्तियां मिलती रही है जगनेर का इतिहास स्वर्णिम रहा है यहां आल्हा ऊदल के मामा जयपाल का राज था उसी वंश के जगन के नाम पर इसका नाम जगनेर पड़ा तालाब मे मिले पुरावशेषों मे प्रथम दृष्टाया दो अवलम्ब ओर एक दीपस्तंभ का भाग एक द्वारपाल की प्रतिमा नजर आ रही है वे रेड सैंड स्टोन में है जो किसी मंदिर के अवशेष है

अलटर्ट: भेजी गई पुलिस

थाना प्रभारी निरीक्षक कुशल पाल सिंह ने बताया कि मौके पर जांच के लिए पुलिस भेज दी गई है प्रशासन अलर्ट है उच्च अधिकारियों को भी अवगत करा दिया गया है।

चीन के उत्पादों का वहिष्कार किया गया

आनंद नगर सुधार समिति द्वारा आज दिनांक 30 जुलाई को सांय 6ण्30 बजे आनंद नगर चौराहे पर चीन के उत्पादों का वहिष्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के कोटेश्वर मंडल के अध्यक्ष श्री प्रयाग सिंह तोमर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे तथा समिति के परामर्श दाता श्री अवध सिंह धाकरेएवरिष्ठ नेता श्री आर के गुप्ताए श्री लक्ष्मण सिंह सिसोदिया एवं श्री पप्पू परिहार विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में समिति के कार्यकारी अध्यक्ष श्री अजय सिंह भदौरिया जी ने कार्यक्रम का परिचय दिया एवं अतिथि गढ़ों का शब्दों से स्वागत किया। कार्यक्रम में जलती मशालों के साथ चीन के विरुद्ध कई प्रकार के नारे लगाए गए । मुख्य वक्ता श्री प्रयाग सिंह तोमर जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि चीन ने लद्दाख में हमारे सैनिकों पर हमला करके हमारे भारत देश की पीठ में छुरा घोपने की कोशिश की है जो कि बर्दाश्त योग्य नहीं है और अब हमारा देश चीन से हर प्रकार से निपटने को तैयार हैं। अतः अब समय आ गया है कि हम चीन को आर्थिक मोर्चे पर कमजोर करने के लिए चीन में बने उत्पादों का वहिष्कार करें और स्वदेशी बस्तुओं का उपयोग कर अपने भारत देश कोआत्मनिर्भर बनाये। कार्यक्रम में समिति के कार्यकारी अध्यक्ष श्री अजय सिंह भदौरियाए सचिव श्री आनंद सिंह तोमरए उपाध्यक्ष श्री विनीत मित्तलए सहसचिव श्री दिलीप शिवहरे एडवोकेटए संगठन मंत्री श्री राजू यादवए महिला मंडल संयोजक श्रीमती ज्योति गुप्ताए कार्यकारिणी सदस्य गढ़ श्री अरविन्द सिंह तोमरए श्री संदीप सिंह राजावतए श्री सत्येन्द्र सिंह गहलोत ए श्री हरीबाबू शिवहरेए डॉ बृजकिशोर खंडेलवालए वरिष्ठ सदस्य श्री गौरीशंकर धाकड़ए श्री अनिल श्रीवास्तवए श्री दीपक वर्मा सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में सचिव श्री आनंद सिंह तोमर ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बालश्रम मुक्त प्रदेश अभियान के अंतर्गत : कोरोना संकट में बच्चों को सुरक्षा दिलाने हेतु प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखकर मांग की

दतिया। अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों के तहत ग्राम सरसई में आंगनबाड़ी केन्द्र पर अभियान सहयोगी सुबोध शर्मा के समन्वय से बालसभा आयोजित की। बच्चों ने कोरोना संकट में बच्चों को सुरक्षा दिलाने हेतु माननीय प्रधानमंत्री भारत सरकार नई दिल्ली को चिट्ठी लिखकर मांग की। सुबोध शर्मा ने अभियान की गतिविधियों को ग्रामीण क्षेत्र में सतत रूप से संचालित करने के आव्हान किया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता जनता समाधिया ने समुदाय को बाल अधिकारों पर और प्रभावी जागरूकता पर जोर दिया। समाजसेवी रामकुमार समाधिया एवं रामरतन यादव ने बच्चों को प्रेरणादायक कहानी सुनाकर अपने जीवन के अनुभव व्यक्त किए। ग्राम सरसई, धमना,कामद, रिछार, तरगुवां, परासरी, गुजर्रा, आदि ग्रामों में जागरूकता रथ पहुँचा। अभियान के अंतर्गत वैश्विक कोरोना संकट के बीच गरीब

मध्यम वर्गीय समुदाय के बच्चों को बालश्रम एवं बाल व्यापार का शिकार ना होना पड़े इस हेतु बालश्रम विरोधी अभियान मध्यप्रदेश व सेव द चिल्ड्रन के सहयोग द्वारा बालश्रम मुक्त प्रदेश अभियान 10 जिलों में चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत दतिया जिले में स्वदेश ग्रामोत्थान समिति द्वारा गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य बाल सुरक्षा तंत्र एवम जन समुदाय को बच्चों के साथ होने वाले शोषण से बचाने के लिए जागरूक एवम सक्रिय करना है। अभियान के तहत बच्चों को रंग बिरंगे चित्र , कहानियां, कविताएं आदि तैयार करने हेतु ड्राइंग बुक, पेंसिल सेट वितरित किए जा रहे हैं ताकि वे तनावमुक्त रह सकें। साथ ही लोगों को कोरोना से बचाव के लिए भी जागरूक किया जा रहा है। बालश्रम विरोधी अभियान के राज्य समन्वयक राजीव भार्गव ने बताया कि कोरोना संकट के इस कठिन समय में बच्चों के साथ बालश्रम और बाल-व्यापार जैसे शोषण के खतरे को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और समुदाय को अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। बालश्रम मुक्त प्रदेश अभियान प्रभारी, सदस्य जिला बाल संरक्षण समिति व बालमित्र रामजीशरण राय ने बच्चों को घर में रहकर अध्ययन करने व अन्य सकारात्मक गतिविधियों चित्रकला, स्टोरी टेलिंग, परस्पर संवाद आदि में संलग्न रहने की अपील की। अभियान दल के सरदार सिंह गुर्जर, बलवीर पाँचाल ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। बच्चे ने लिखी प्रधानमंत्री को चिट्ठी - जिसमें परम्परागत व्यवसाय के नाम पर जारी बालश्रम पर रोक लगाने, 18 वर्ष से कम उम्र के सभी बालश्रमिकों की गिनती कराए जाने और बच्चों को पूर्ण सुरक्षा दिए जाने की मांग को लेकर विभिन्न बाल समूहों से जुड़े बच्चों द्वारा प्रधानमंत्री के नाम चिट्ठी लिखी जा रही है। जागरूकता दल सुबोध शर्मा, आयुष राय, सरल तलरेजा, दीक्षा लिटौरिया, प्रीति वर्मा, पीयूष राय, अभय दाँगी, आकांक्षा लिटौरिया, शिवम बघेल अंकित कटारे आदि सम्मिलित रहे। उक्त जानकारी अशोक कुमार शाक्य ने दी।

पिता पुत्र को आपसी बिबाद सुलझाना पड़ा मंहगा पुत्र के साथ थाना प्रभारी ने की मारपीट

लहार(अर्पित गुप्ता)

थाना प्रभारी महोदय पर जबरन 3000 रुपये छुड़ाने का आरोप

लहार अनुविभाग के थाना असवार प्रभारी जब से आये है तब से बिबादो में घिरे हुए है कई बार लहार एस.डी.एम महोदय द्वारा अबैध रेत के ट्रेक्टर पकड़कर इनके थाना परिसर में रखबाये है और अबैध उत्तखनन को लेकर फटकार भी लगाई है पर महोदय तो अपनी के आगे किसी की सुनने बाले नही है ओर इसी के चलते आज निसार निबासी एक युवक ने लहार एस.डी. ओ.पी दिनेश सिंह बैश्य के समक्ष एक आबेदन देकर थाना प्रभारी द्वारा मारपीट की जाने की गुहार लगाई है जानकारी के अनुसार निसार निबासी बीरसिंह एबम उनके पिता भगवान सिंह में पारबारिक कारणों के चलते झगड़ा हो गया था झगड़ा असवार थाने तक पहुँचा पर कुछ रिश्तेदारों के बीच मे आने से झगड़ा आपस मे सुलट गया जिस पर श्रीमान थाना प्रभारी महोदय भड़क गए और पुत्र की मारपीट कर उसकी जेब से तीन हजार रुपये खींच लिए जिसकी शिकायत लहार न्यायालय के बकील के माध्यम से अनुविभागीय अधिकारी पुलिस दिनेश सिंह बैश्य से एबम पत्राचार के माध्यम से पुलिस अधीक्षक एबम आई जी,डी.आई.जी महोदय से की गई एस.डी.ओ.पी लहार ने मामला बिबेचना में ले लिया है ।

सुनिये क्या बोले अधिकारी

थाना प्रभारी द्वारा एक युवक की मारपीट का मामला सामने आया है मामले की जांच कर उचित कार्यबाही की जायेगी।

दिनेश सिंह बैश्य
एस.डी.ओ.पी लहार

डिस्कॉम विभाग द्वारा भेजे गए विद्युत बिलों के भुगतान में कोई राहत नहीं

पाली। नरेश कुमार सिरवी की रिपोर्ट के अनुसार पाली ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूर वर्ग के परिवार एवं मध्यम वर्ग के परिवार तथा लघु किसान को विद्युत विभाग द्वारा भेजे गए विद्युत बिलों में भारी बढ़ोतरी के भुगतान में राहत नहीं मिली/कोविड-19 के चलते बेरोजगारी की स्थिति के दौरान संकटकाल के विपरीत परिस्थितियों में आमजन को डिस्कॉम द्वारा भेजे गए बढ़ोतरी के विद्युत बिलों में सरकार द्वारा कोई राहत नहीं इस दौरान संपूर्ण ग्रामीण क्षेत्रों की जनता द्वारा सरकार के प्रति भारी नाराजगी जाहिर की/कोराना काल के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन के परिवार का भरण पोषण करना भी इस समय काफी मुश्किल नजर आ रहे हैं लेकिन ऐसी विपरीत स्थिति में ग्रामीण क्षेत्रों की जनता पर मानसिकता का बोझ का असर दिखाई दिया/आम जनता को भुगतान की अंतिम तिथि तक सरकार से कुछ राहत की घोषणा का इंतजार था लेकिन इस दौरान विपरीत स्थिति को देखकर आमजन को कोराना अकाल जैसी विपरीत स्थिति में बढ़ोतरी के कारण किया गया भुगतान काफी मुश्किल दौर रहा/विश्वव्यापी महामारी के चलते संपूर्ण आम नागरिक बेरोजगारी की स्थिति के दौरान एकमात्र सहारा सरकार द्वारा चलाए जा रहे महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार योजना के अंतर्गत मनरेगा रोजगार का मुख्य सहारा/लेकिन इस समय इस रोजगार से आमजन का परिवार का भरण पोषण होता है/संपूर्ण देश में संकट काल की स्थिति के दौरान महत्वपूर्ण समय में केंद्र सरकार द्वारा लगाया गया लॉकडाउन से अब तक संपूर्ण आमजन सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों की पालना के अनुसार बेरोजगारी की स्थिति में ही बैठे/लेकिन परिस्थिति के अनुकूल इस समय ग्रामीण क्षेत्रों की जनता को राजस्थान सरकार के प्रति काफी उम्मीदें थी कि इस बार संकटकाल की स्थिति में विद्युत बिलों के बारे में राहत मिलेगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ और अंतिम समय तक ग्रामीणों के अरमानों के ऊपर काफी ठेस पहुंची जिसके प्रति संपूर्ण ग्रामीणों ने सरकार के प्रति भारी नाराजगी जाहिर की

लूट हत्या रेप के मामले में फरार चल रहे 45 हजार रूपये के 4 बदमास शहर कोतवाली पुलिस ने एक साथ धर दबोचे

भिण्ड(अर्पित गुप्ता)। पुलिस अधीक्षक मनोज सिंह द्वारा चलाये जा रहे धर पकड़ अभियान के तहत लगातार पुलिस को सफलता दर सफलता मिलती जा रही है, उसी, के चलते एक और सफलता हाथ लगी है, 45000 हजार रूपये के ईनामी बदमाशों को मुखबिर की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार किए है सी एस पी आनंद राय ने प्रेस वार्ता करते बताया है कि हत्या के मामले में कोतवाली में फरार चल रहे आरोपी अबदेश शर्मा उर्फ परूआ को गिरफ्तार किया है इसके ऊपर पुलिस अधीक्षक के द्वारा बीस हजार का इनाम घोषित था दूसरा आरोपी लालू उर्फ अरविंदर मिश्रा निवासी अग्रवाल कॉलोनी भिण्ड का रहने वाला है इसके ऊपर पुलिस अधीक्षक की ओर से दस हजार का इनाम घोषित किया था था तीसरा आरोपी धीर सिंह निवासी ढोचरा इसके ऊपर पुलिस अधीक्षक की ओर से दस हजार का इनाम घोषित किया गया था चौथा आरोपी सोनू उर्फ सचिन मिश्रा अग्रवाल कालोनी भिण्ड इसके ऊपर पुलिस अधीक्षक की ओर से पाँच हजार का इनाम घोषित किया गया था कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर इस चारो आरोपीयो को एक साथ गिरफ्तार किया गया है उक्त चारो आरोपीयो की गिरफ्तारी में शहर कोतवाली प्रभारी उदयभान सिंह यादव एवं अमायन थाना प्रभारी शिवप्रताप सिंह राजावत,उपनिरीक्षक पंकज मुद्गल उप निरीक्षक रविन्द्र तोमर ङ्कह्यद्ब सत्यवीर सिंह ङ्कह्यद्ब रामकुमार यादव एव आरक्षक सतेन्द्र भदौरिया, आरक्षक सतेन्द्र यादव, आरक्षक गौरव मिश्रा, जितेन्द्र यादव, राहुल यादव, यतेन्द्र राजावत, त्रिवेन्द्र सिंह, आनंद दीक्षित, महेश कुमार, की विशेष भूमिका रही।

विद्यालय के छात्रों के लिए आनलाइन संस्कृत प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

अभिषेक मिश्रा राज्य ब्यूरो प्रमुख हिमाचल प्रदेश

देवभूमि हिमाचल में संस्कृत की विविध गतिविधियों से संस्कृत सप्ताह का शुभारंभ किया गया। इसी क्रम में शुक्रवार को हिमाचल राजकीय संस्कृत शिक्षक परिषद की ओर से विद्यालय के छात्रों के लिए आनलाइन संस्कृत प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया गया इस प्रक्रिया में आज जिला मण्डी, कांगड़ा व चंबा की आनलाइन गूगल फार्म के माध्यम से जिला स्तरीय संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता जिला भाषा एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित करवाई गई। जिसमें तीनों जिलों के लगभग तीन सौ छात्रों ने भाग लिया। शनिवार को हमीरपुर, बिलासपुर व ऊना जिला की प्रतियोगिता होगी, रविवार को कुल्लू, लाहौल.स्पीति व किन्नौर जिला की तथा सोमवार को शिमला, सिरमौर, सोलन की प्रतियोगिता होगी। 4 अगस्त को इनका परिणाम आयेगा तथा पांच अगस्त को राज्यस्तरीय प्रतियोगिता करवाई जाएगी। परिषद के प्रदेशाध्यक्ष डॉ मनोज शैल ने बताया कि इसी के साथ संस्कृत गीत प्रतियोगिता भी हिमाचल राजकीय संस्कृत शिक्षक परिषद के फेसबुक पेज के माध्यम से तथा लोकोच्चारण प्रतियोगिता यू-ट्यूब चैनल के माध्यम से करवाई जा रही है । इन सभी प्रतियोगिताओं का परिणाम 6 अगस्त को घोषित होगा। इसके साथ ही परिषद के द्वारा संस्कृत शिक्षकों, शोधार्थियों व संस्कृत प्रेमियों के लिए आनलाइन वेबिनार करवाए जा रहे हैं। जिसमें देवभूमि हिमाचलम देवभाषा संस्कृतम विषय पर डॉ भक्तवत्सल शर्मा सचिव हिमाचल संस्कृत अकादमी व नरेन्द्र कुमार संगठन मंत्री संस्कृत भारती ने आज व्याख्यान दिया।

कालाबाजारी करने बाले स्टाम्पवेंडरों,सर्विसप्रोवाइडरो एबम ई स्टाम्प बेचने बालो पर हो कठोर कार्यबाही

अभिभाषक संघ ने लहार एस.डी.एम को सौंपा ज्ञापन

लहार(अर्पित गुप्ता) । अभिभाषक संघ ने लहार तहसील प्रांगड़ में बैठने बाले स्टाम्प बैंडरो, ई स्टाम्प बेचने बालो एबम सर्बिस प्रोवाइडरो द्वारा की जा रही कालाबाजारी के खिलाफ लहार एस. डी.एम आर.ए प्रजापति को एक शिकायती ज्ञापन सौंपा गया और इसमे कहा गया कि ये लहार तहसील प्रांगण में बैठकर ग्रामो से आने बाली भोली भाली जनता के साथ छलाबा करते ओर उंनसे मनमानी रकम लूटने में लगे हुए है ये स्टाम्प बैंडर 50 का स्टाम्प 80 में एबम 100 का स्टाम्प 130 रुपये में बेचकर कालाबाजारी कर भोले भाले ग्रामीणों को बेबकूफ बनाकर जनता को लूट रहे है । इसी कालाबाजारी को देखते हुए अभिभाषक संघ द्वारा एबम जनता तथा अभिभावकों द्वारा पूर्व में भी कई बार की जा चुकी है जिसकी सुध अभी तक नही ली गयी इसीलिए इन लोगो के हौंसले बुलंद है और ये कालाबाजारी का भाव दिन प्रतिदिन बढ़ाते जा रहे है और इसके चलते जनता,अभिभावकों एबम अभिभाषको में रोष ब्याप्त है इसी के चलते आज लहार एस.डी.एम को ज्ञापन सौंपकर इनके खिलाफ कठोर कार्यबाही की मांग की है।

सुनिये क्या बोले अधिकारी

अभिभाषको द्वारा शिकायत प्राप्त हुई जांच करबायेंगे अगर शिकायत सही पाई गई तो सम्बंधित के खिलाफ कठोर से कठोर कार्यबाही की जाएगी ।

आर.ए प्रजापति
एस.डी.एम लहार

संगठन की नई कार्यकारिणी गठित

मेसूर। होटल सभागार में रक्तदान महादान गौभक्त संगठन मैसूरू, कर्नाटक (RGS ग्रुप मैसूर) की कोर कमेटी मीटिंग रखी गई। जिसमे संगठन की नई कार्यकारिणी गठित की गई। सर्व सहमति से देवेन्द्र परिहारिया अध्यक्ष चुने गए। संस्थापक गौपुत्र प्रकाश राठौड़, संरक्षक डॉ. महेंद्र सिंह राजपुरोहित, प्रकाश निकुम,करमाराम सीरवी,उपाध्यक्ष आनन्द मांडोत,पारसराम बोराणा, महासचिव चिरंजीलाल कुमावत, सचिव विकाश राठौड़, सहसचिव प्रकाश राठौड़, कैलाश राठौड़, कोषाध्यक्ष दानाराम सीरवी, सह कोषाध्यक्ष राजेश सीरवी, संगठन मंत्री गुदडराम काग, प्रचार-प्रसार मंत्री रमेश चोयल, कमेटी मेंबर दलपत आगलेचा, तेजाराम सीरवी, नरेन्द्र राठौड़, सलाहकार सदस्य अमराराम काग, बाबूलाल राठौड़,दानाराम घांची,बगदाराम कुमावत, जनकसिंह भाटी माधुराम सीरवी, नारायणलाल सैणचा, राजेन्द्र साहू को चुना गया। अध्यक्ष देवेन्द्र परिहारिया ने सभी सदस्यों और पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की ओर से गौसेवा और रक्तसेवा आगे भी और तेज गति से जारी रहेगी इसके लिए सभी मिलकर काम करेंगे।

केंद्र सरकार के महत्वपूर्ण फैसलों का सम्मान करें आम नागरिक=सिरवी

पाली/नरेश कुमार सिरवी की रिपोर्ट के अनुसार पाली पंचायत समिति के ग्राम पंचायत वडेर वास के पूर्व सरपंच प्रतिनिधि मांगीलाल सिरवी द्वारा बताया गया कि संकट काल की विपरीत भयंकर स्थिति के दौरान केंद्र सरकार द्वारा महत्वपूर्ण समय में लगाया गया लॉकडाउन के महत्वपूर्ण फैसलों का सम्मान करें/सिरवी द्वारा बताया गया कि महत्वपूर्ण समय में देश में लगाया गया लॉकडाउन से आज संपूर्ण आमजन स्वस्थ एवं सुरक्षित नजर आ रहे हैं/इस दौरान सरकार के प्रशासनिक अधिकारी एवं वरिष्ठ भामाशाह का भी सम्मान करें इनका सम्मान आगामी समय के लिए आमजन के जनहित को सुरक्षित रखने के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जाएगा/मांगीलाल सिरवी द्वारा बताया गया कि इस समय केंद्र सरकार द्वारा आमजन को स्वस्थ एवं सुरक्षित रखने के लिए अनेक प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही हैं/और राज्य सरकार द्वारा भी संपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं/पूर्व सरपंच प्रतिनिधि मांगीलाल सिरवी ने आज ग्राम

पंचायत वडेर वास के विकास के कार्यों की शुरुआत के तहत बताया कि ग्राम पंचायत के अंतर्गत विकास कार्यों की शुरुआत की गई/जिसमें सरपंच ग्राम पंचायत वडेर वास लीला देवी सिरवी के नेतृत्व में प्रथम चरण में विकास के कार्यों की शुरुआत की गई/पिछले काफी समय से सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों की पालना के अनुसार ग्राम पंचायत विश्वव्यापी महामारी को रोकने के लिए संपूर्ण प्रयास किए और आज उनका यह प्रयास सफल रहा/लेकिन अभी सरकार के दिए गए निर्देशों के अनुसार पंचायत राज विभाग के अंतर्गत विकास के कार्यों की शुरुआत की गई जिसमें ग्राम पंचायत के अंतर्गत चारदीवारी का निर्माण कार्य एवं नाली निर्माण कार्य स्वस्थ भारत अभियान के तहत शौचालय निर्माण कार्य का कार्य शुरू करवाया गया/शौचालय निर्माण कार्य की शुरुआत भी इसके साथ-साथ की जाएगीजो ग्राम पंचायत मुख्यालय पर स्वच्छ भारत अभियान के तहत शौचालय का निर्माण कार्य करवाया जाएगा/ग्राम पंचायत के सहायक गांव के ग्रामीणों के आग्रह पर ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधि अमराराम सिरवी एवं उपसरपंच गणेशराम सिरवी के नेतृत्व में जलभराव की स्थिति को देखकर वहां पर जलभराव की क्षमता को कम करने के लिए मिट्टी डलवा कर कार्य पूर्ण किया गया और इसके सहायक गांवों में अगले सप्ताह निरीक्षण करते जलभराव की क्षमता को कम करने का कार्य किया जाएगा जिसमें ग्राम पंचायत के चुने हुए प्रतिनिधियों के निरीक्षण के दौरान सभी जगह पर जलभराव की क्षमता को कम करने का कार्य किया जाएगा/पूर्व सरपंच प्रतिनिधि मांगीलाल सिरवी ने आज के बढ़ते प्रकोप को देखकर आम जन को बताया कि जिस प्रकार हमारा सहयोग अभी तक सरकार को मिला उसी प्रकार सरकार को हमारी सहयोग की और जरूरत है /आज सिरवी द्वारा केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं के बारे में बताया कि केंद्र और राज्य सरकार इस समय मानव जीवन को सुरक्षित एवं स्वस्थ रखने के लिए संपूर्ण प्रयास कर रहे हैं और प्रयासों के साथ कई योजना का भी शुरुआत की जिसमें आमजन को राहत मिले/और इस दौरान सरकार द्वारा लगाए गएमहत्वपूर्ण समय में लगाया गया लॉकडाउन का सम्मान करें और इनके सभी प्रशासनिक अधिकारियों का भी सम्मान करें/और स्थानीय पुलिस प्रशासन के दिए गए निर्देशों की पालना के अनुसार उनका भी सम्मान करना हमारी पहली प्राथमिकता रहेगी/जिन्होंने दिन रात सेवाएं दी और अपनी जान जोखिम में डालकर दूसरे के मानव जीवन को सुरक्षित रखने के लिए दिन-रात सेवाएं दी आज उनका सम्मान करना हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए जिनके आधार पर हम आज स्वस्थ जीवन की ओर आगे बढ़ रहे हैं/ग्राम पंचायत के अधीन सभी अधिकारी शिक्षा विभाग के अधिकारी चिकित्सा विभाग के अधिकारी ग्राम विकास अधिकारी रोजगार सहायक सचिव आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा सहयोगिनी सफाई कर्मी एवं ग्राम पंचायत द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधि तथा वरिष्ठ भामाशाह का भी सम्मान करना हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए/इसी प्रकार हम इनका सम्मान करते रहे तो भारत आगामी समय में विश्व की महामारी में सर्वप्रथम विजय प्राप्त करेगा/लेकिन विश्वव्यापी महामारी से बचने के लिए हमें सर्वप्रथम संकल्प के तौर पर सोशल डिस्टेंस सामाजिक दूरी के बारे में महत्वपूर्ण ध्यान रखना होगा तभी भारत इस महा युद्ध में विजय प्राप्त करेगा/और हमारा सभी का एक ही संकल्प के तौर पर भारत को कोराना मुक्त को सफल बनाने में हमारा सहयोग जरूरी है

मैं अपना 30 प्रतिशत वेतन कोविड सहायता के लिए कोष में जमा करवा रहा हूँ, आप भी करवा सकते हैं : मुख्यमंत्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं तथा कोरोना मरीजों को निःशुल्क एवं सर्वोत्तम इलाज की व्यवस्था की गई है। इसके चलते हमने कोरोना पर काफी हद तक नियंत्रण पा लिया है, और हम शीघ्र ही कोरोना को पूर्ण रूप से परास्त कर देंगे। परंतु इस कार्य में राज्य के बजट का एक बड़ा हिस्सा व्यय हुआ है तथा आगे भी राशि की जरूरत होगी। हम सबका दायित्व है कि हम शासन के अनावश्यक खर्चों में कटौती करें वहीं व्यक्तिगत रूप से जो भी सहायता कर सकें करें। %%मैंने निर्णय लिया है कि मैं मुख्यमंत्री का पद ग्रहण करने के दिनांक से आगामी 30 सितंबर तक अपने वेतन एवं भत्तों की 30 प्रतिशत राशि कोरोना कार्य के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा कराऊंगा। अभी तक मेरे द्वारा पहले 3 महीनों की राशि एक लाख 40 हजार रूपये जमा करा दी गई है। मेरे मंत्रिमंडल के साथी भी यह कार्य कर सकते हैं। हमें अब जनता के सक्रिय सहयोग से कोरोना को पूर्ण रूप से परास्त करना है। इसके लिए मध्यप्रदेश में आगामी 1 अगस्त से %%संकल्प की चेन जोड़ो, संक्रमण की चेन तोड़ो%% अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि विधायकगण अपनी विधायक निधि का उपयोग अपने क्षेत्र में कोरोना नियंत्रण संबंधी कार्यों जैसे मेडिकल स्टाफ के लिए आवश्यक उपकरण, फेस मास्क, थर्मामीटर, पीपीई किट्स, टेस्टिंग किट, वेंटिलेटर, सैनिटाइजर क्रय आदि के लिए करें। इसी के साथ प्रदेश के 22 जिलों में जिला खनिज निधि में आने वाली प्रतिवर्ष लगभग 500 करोड़ रूपये की राशि की एक तिहाई राशि इन जिलों में कोरोना संबंधी कार्यों और गरीबों के लिए रोजगार मूलक कार्यों में खर्च की जा सकेगी। संबंधित जिले के प्रभारी मंत्री के अनुमोदन से यह राशि स्वीकृत की जाएगी। मंत्रीगणों को जिलों के प्रभार अगले सप्ताह तक आवंटित कर दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमें कोरोना संकट को चुनौती में बदलना है तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को सबसे पहले मध्य प्रदेश में मूर्त रूप देना है। इसके लिए रोड मैप बनाने की हमारे सभी विभागों ने तेज गति से तैयारी शुरू कर दी है। आगामी 15 अगस्त को आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश का रोडमैप प्रदेश की जनता के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप के प्रमुख चार क्षेत्र स्वास्थ्य एवं शिक्षा, अर्थव्यवस्था एवं रोजगार, भौतिक अधोसंरचना विकास तथा सुशासन होंगे। यह रोडमैप भारत सरकार के नीति आयोग के सहयोग से आगामी 3 वर्षों के लिए तैयार किया जा रहा है। इसे बनाने के लिए अपर मुख्य सचिव स्तर के चार वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में टीमें निरंतर कार्य कर रही हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि रोड मैप में विषय विशेषज्ञों के सुझाव सम्मिलित करने के लिए आगामी 7, 8, 10 एवं 11 अगस्त को प्रातः 11 से 2 एवं अपराह्न 3 से 6 बजे तक वेबीनार आयोजित की जाएंगी। इन वेबीनार में विषय-विशेषज्ञों के साथ ही जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद, जिला स्तर के अधिकारी भाग लेंगे। भारत सरकार के नीति आयोग के प्रतिनिधि भी इनमें शामिल होंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आप सभी के प्रयास एवं जनता के सहयोग का ही परिणाम है कि आज हमारी कोरोना रिकवरी रेट 70 प्रतिशत है तथा मृत्यु दर घटकर 2.7 प्रतिशत रह गई है। परन्तु अभी भी प्रदेश के कई स्थानों पर संक्रमण बढ़ रहा है। लॉकडाउन के कारण अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है। अब हमें बिना लॉकडाउन के पूरी सावधानी एवं सतर्कता से कोरोना को हराना है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मंत्रीगणों से कहा कि हम जनप्रतिनिधि जैसा आचरण करेंगे वैसा ही जनता करेगी। इसलिए यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम कोरोना के विरुद्ध लड़ाई में स्वयं सभी सुरक्षात्मक उपायों का प्रयोग करें। सभी अनिवार्य रूप से मास्क लगाएं, फिजिकल डिस्टेंसिंग रखें, सैनिटाइजर का प्रयोग करें, कोई सार्वजनिक दौरा अथवा कार्यक्रम न करें, घर पर भी एक बार में 5 व्यक्तियों से ही मिलें। यदि आपने आगे कार्यक्रम निर्धारित किए हों तो उन्हें वर्चुअल के रूप में परिवर्तित कर दें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्पष्ट रूप से कहा कि कोरोना का संक्रमण रोकने के लिए मास्क एवं फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन किया जाना अनिवार्य है। कोई भी व्यक्ति चाहे वह मुख्यमंत्री हो, मंत्री हो, जन प्रतिनिधि हो, अधिकारी हो अथवा कोई अन्य, यदि नियम तोड़ता है, तो जुर्माना तो लगेगा ही, प्रकरण भी दर्ज किया जाएगा। वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी मंत्री एवं राज्य मंत्री अलग-अलग स्थानों से ऑनलाइन जुड़े और मुख्यमंत्री श्री चौहान से संवाद भी किया।

जेलों में बंदी-परिजन करेंगे ई-मुलाकात - मंत्री डॉ. मिश्रा

बंदी-परिजन ई-मुलाकात योजना का ई-लोकार्पण

भोपाल। गृह और जेल मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने शुक्रवार प्रातः जेलों में बंदी-परिजनों की ई-मुलाकात योजना का ई- लोकार्पण किया। उन्होंने बताया कि अबजेलों में बंदी अपने परिजन से ई-मुलाकात कर सकेंगे। परिजनों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा बंदियों से मुलाकात कराई जायेगी। ई-लोकार्पण अवसर पर महानिदेशक जेल श्री संजय चौधरी उपस्थित थे मंत्री डॉ. मिश्रा ने बताया कि बंदियों को उनके परिजनों से समय-समय पर जेलों में ही मुलाकात कराने का प्रावधान है। वर्तमान में कोविड-19 महामारी के कारण मार्च के द्वितीय सप्ताह से मुलाकात व्यवस्था बंद कर दी गई है। अब बन्दियों के परिजनों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। योजना के शुभारंभ अवसर पर चार बन्दियों के परिजनों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बात कराई गई। डीआईजी जेल श्री संजय पाण्डे ने बताया कि जेलों में परिरूद्ध बंदियों की जानकारी को भारत सरकार के ह्ढ्ढष्ट के ई-प्रिजन सॉफ्टवेयर के माध्यम से कम्प्यूटर पर संकलित किया जाता है। इस सॉफ्टवेयर में ई-मुलाकात व्यवस्था का प्रावधान है। ई-मुलाकात व्यवस्था के अंतर्गत बंदियों के परिजन वेबसाईट के माध्यम से मुलाकात करने हेतु आवेदन कर सकते हैं। जेल अधीक्षक भोपाल श्री दिनेश नरगांवे ने बताया ई- मुलाकात के आवेदन जेल अधीक्षक द्वारा स्वीकृत होने पर बंदी के परिजन अपने घर से ही एक स्मार्ट फोन/ डेस्कटॉप/ टेब के माध्यम से अथवा किसी द्बश्चशठ्ठद्यद्बठ्ठद्ग सेंटर से, वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से बंदी से ई-मुलाकात कर उनका वीडियो देख सकेंगे एवं उनसे बात कर सकेंगे। इस व्यवस्था के प्रारंभ होने से कोविड महामारी की इस कठिन परिस्थिति में बंदियों के परिजनों के अपने घर से जेल पर उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे बंदियों को एवं उनके परिजनों को मुलाकात में सुविधा होगी। तात्कालिक लाभ के रूप में बंदियों के तनाव व अवसाद में कमी आयेगी और दीर्घकालिक लाभ के रूप में बंदियों के परिजनों की समय, श्रम एवं आर्थिक बचत होगी।

स्वाधीनता संग्राम पर ऑनलाइन प्रतियोगिता प्रविष्टि 15 अगस्त तक आमंत्रित

भोपाल। संस्कृति विभाग द्वारा प्रदेश के युवाओं, विद्यार्थियों एवं बच्चों में स्वाधीनता संग्राम के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से आयोजित ऑनलाइन प्रतियोगिता के लिये प्रविष्टि भेजने की तिथि 10 अगस्त से बढ़ाकर 15 अगस्त कर दी गई है। इन प्रतियोगिताओं में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यालयीन एवं स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिये फोटो क्विज एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता होगी। इसी प्रकार दो अन्य श्रेणी कविता लेखन एवं देशभक्तिपूर्ण रचना की संगीतमय प्रतियोगिता होगी। संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने बताया कि विभाग द्वारा आयोजित इन प्रतियोगिताओं में 48 विजेताओं को एक लाख 79 हजार के पुरस्कार वितरित किये जाएंगे।

हायर सेकेण्डरी एवं हाईस्कूल पूरक परीक्षा

भोपाल। हायर सेकेण्डरी एवं हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा वर्ष 2020 की पूरक परीक्षा एवं हायर सेकेण्डरी व्यावसायिक पाठ्यक्रम द्वितीय अवसर परीक्षा के लिये आवेदन 4 अगस्त 2020 से हायर सेकेण्डरी परीक्षा प्रारंभ होने के एक दिन पूर्व मध्य रात्रि तक किये जा सकते हैं। इसी प्रकार हायर सेकेण्डरी व्यावसायिक तथा हाईस्कूल परीक्षा के लिये विषयवार परीक्षा प्रारंभ दिनांक के एक दिन पूर्व मध्य रात्रि तक भरे जा सकेंगे। पूरक पात्र छात्र स्वयं एमपी ऑनलाइन के कियोस्क पर अपनी मुख्य परीक्षा के परीक्षाफल के आधार पर पूरक के विषय, रोल नंबर की जानकारी देकर शुल्क अदा कर आवेदन-पत्र भर सकेंगे। जो छात्र कियोस्क में जाकर पूरक परीक्षा के लिये आवेदन नहीं कर सकते, ऐसे नियमित छात्र अपनी शिक्षण संस्थान में तथा स्वाध्यायी छात्र आवदेन-पत्र अग्रेषण करने वाली संस्था में पूरक परीक्षा के आवेदन के लिये प्राचार्य को अपने नाम, अनुक्रमांक तथा पूरक के विषय की जानकारी भरने के साथ परीक्षा शुल्क जमा करा सकते हैं। संस्था ऐसे छात्रों को शुल्क जमा करने की रसीद देगी तथा कियोस्क में ऑनलाइन आवेदन भरेंगे। हायर सेकेण्डरी परीक्षा में केवल एक विषय तथा हाईस्कूल परीक्षा में 2 विषयों में अनुत्तीर्ण छात्रों को ही पूरक की पात्रता प्रदान की गई है। हायर सेकेण्डरी के समस्त विषयों की पूरक परीक्षा 14 सितंबर को होगी। हाईस्कूल पूरक परीक्षा 15 सितंबर से 22 सितंबर 2020 तक सुबह 9 से 12 बजे तक संपन्न होगी। पूरक परीक्षा में शामिल होने वाले सभी परीक्षार्थियों के प्रवेश-पत्र 5 सितंबर से ऑनलाइन प्राप्त किये जा सकेंगे। हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल के नियमित एवं स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिये प्रति विषय परीक्षा शुल्क 350 रूपये एवं कियोस्क का शुल्क 25 रूपये होगा। हायर सेकेण्डरी व्यावसायिक पाठ्यक्रम द्वितीय अवसर परीक्षा में केवल ऐसे परीक्षार्थी शामिल होंगे जो हायर सेकेण्डरी व्यावसायिक पाठ्यक्रम मुख्य परीक्षा 2020 में पूर्ण विषयों में शामिल होकर परीक्षा में अनुत्तीर्ण अथवा अनुपस्थित रहे हों। परीक्षा 15 सितंबर से 21 सितंबर 2020 तक सुबह 9 से 12 बजे संपन्न होगी। हायर सेकेण्डरी व्यावसायिक परीक्षा शुल्क 2 विषय तक 350 रूपये, 4 विषय तक 500 रूपये, 4 से अधिक विषय तक 600 रूपये शुल्क देना होगा, कियोस्क शुल्क 25 रूपये देय होगा।

एक मास्क-अनेक जिंदगी जन-जागरूकता अभियान 1 से 15 अगस्त तक

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि नागरिकों में मास्क के प्रति जागरूकता लाने और उन्हें मास्क उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक नगरीय निकाय में एक से 15 अगस्त तक %एक मास्क-अनेक जिंदगी%% जन-जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। उन्होंने कहा है कि नागरिक मास्क का उपयोग कर स्वयं को कोरोना संक्रमण से बचाने के साथ ही इसके संक्रमण के प्रसार को भी रोकने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। मास्क कोरोना संक्रमण को रोकने का सबसे सरल एवं कारगर साधन है। सभी नगर निगम आयुक्त और मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को इस अभियान के संचालन के लिये निर्देश जारी कर दिये गये हैं। प्रत्येक निकाय क्षेत्र में अशासकीय स्वयंसेवी संगठनों और नागरिकों से मास्क दान करने की अपील की जायेगी। मास्क रखने के लिये मास्क बैंक बनाये जायेंगे। दान-दाताओं द्वारा इस बैंक में मास्क अथवा मास्क बनाने हेतु राशि दान की जा सकती है। इस राशि से स्व-सहायता समूहों के माध्यम से मास्क बनवाये जा सकते हैं। निःशुल्क मास्क वितरण की व्यवस्था प्रमुख चौराहों पर की जायेगी। चौराहों पर एनाउंसमेंट, पोस्टर और पेम्फलेट के माध्यम से भी नागरिकों को मास्क की उपयोगिता बताई जाये। समस्त गतिविधियाँ सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए करने के निर्देश दिये गये हैं।

हायर सेकेण्डरी व्यावसायिक पाठ्यक्रम के द्वितीय अवसर की परीक्षा, आवेदन 4 अगस्त से लिये जाएंगे

तलवार लेकर घूम रहे बदमाशो को पुलिस ने दबोचा

भोपाल। कोतवाली पुलिस ने लॉकडाउन के दोरान बीती रात इमामी गेट केनरा बैंक के पास से मुखबिर की सूचना पर छुरी लेकर घूम रहे तारीक अली को गिरफ्तार किया है। उधर छोला मंदिर पुलिस ने बीती दोपहर को रास्लाखेड़ी से सुरेश यादव को अवैध रूप से तलवार सहित दबोचा है। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी कई प्रकरण दर्ज हैं। उससे पूछताछ की जा रही है, कि किस वारदात को अंजाम देने की नियत से वह तलवार लेकर घूम रहा था। पुलिस ने दोनो बदमाशो के खिलाफ आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

आत्मनिर्भर भारत पैकेज के अंतर्गत एमएसएमई क्षेत्र में भी मध्य प्रदेश को नंबर वन रहना है : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आत्मनिर्भर भारत पैकेज के अंतर्गत सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) के क्षेत्र में भी मध्य प्रदेश को नंबर वन रहना है। अभी प्रदेश में इस कार्य की गति धीमी है। पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश को एमएसएमई क्षेत्र में इसके अंतर्गत 21 हजार करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं, वहीं मध्य प्रदेश को अभी तक लगभग 2 हजार करोड़ रुपए ही मिले हैं। संबंधित विभाग बैंकों के साथ नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर कार्य में गति लाएं। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज चिरायु अस्पताल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत पैकेज 01 एवं 02 के अंतर्गत एमएसएमई क्षेत्र में प्रदेश में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। वीसी में एमएसएमई मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव मनोज श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव मनोज गोविल, प्रमुख सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि एमएसएमई क्षेत्र में अन्य राज्यों द्वारा आत्मनिर्भर भारत पैकेज के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाए, जिससे यह स्पष्ट हो सके हमारे राज्य में इसकी गति धीमी क्यों है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कई प्रकरणों में अनावश्यक स्टांप ड्यूटी लिए जाने की बात सामने आ रही है। इस संबंध में विभाग यह सुनिश्चित करें कि हितग्राही को अनावश्यक स्टांप ड्यूटी न देनी पड़े। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि योजना के क्रियान्वयन में कोई कठिनाई आ रही है अथवा यदि कोई चीज स्पष्ट नहीं है तो इसके लिए उनकी ओर से केंद्रीय वित्त मंत्री को तुरंत पत्र लिखा जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि केंद्र द्वारा घोषित पैकेज के अंतर्गत अब यह प्रावधान किया गया है कि एमएसएमई को 200 करोड़ रुपए तक के लोन के लिए अब ग्लोबल टेंडर की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने संबंधित विभाग को निर्देश दिए आगे एक सप्ताह के अंदर इस संबंध में औपचारिकताएं पूरी कर ली जाएं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पैकेज के अंतर्गत एमएसएमई उद्योग को स्वीकृत ऋण का भुगतान बैंकों द्वारा 45 दिन के अंदर किए जाने का प्रावधान किया गया है। प्रमुख सचिव ने बताया कि कुछ प्रकरण बैंकों में 45 दिन से अधिक समय से लंबित है। इस पर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए को 45 दिन के अंदर ऋण की राशि का भुगतान हो जाए। मुद्रा शिशु लोन अनुदान आत्मनिर्भर भारत पैकेज के अंतर्गत एमएसएमई को मुद्रा शिशु लोन अनुदान का भी प्रावधान किया गया है। प्रमुख सचिव ने बताया कि अभी इसमें प्रगति बहुत कम है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मुख्य सचिव श्री बैंस को निर्देश दिए कि वे इस संबंध में परीक्षण करें कि ऐसा क्यों है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि एमएसएमई क्षेत्र को नियत समयावधि में प्रावधानों के अनुसार बैंकों की ओर से ऋण प्राप्त हो जाए यह सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर बैंकों की नियमित मॉनिटरिंग की व्यवस्था हो। बैंकों के पूर्ण सहयोग से ही इस कार्य में वांछित प्रगति आ सकती है मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर योजना में मध्य प्रदेश में सबसे पहले कार्य किए जाने पर बैंकर्स को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में बड़े कस्बों एवं ग्रामों के समूहों में भी स्ट्रीट वेंडर्स के लिए ग्रामीण स्टेट बैंक स्ट्रीट वेंडर योजना चालू की गई है, जिसके अंतर्गत उन्हें 10 हजार रूपये का ऋण दिया जाएगा। इसकी गारंटी सरकार देगी तथा ब्याज भी सरकार भरेगी। इस योजना के अंतर्गत 8 लाख पथ विक्रेताओं का पंजीयन किया जा चुका है। यह गरीबों के लिए अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना है। मध्यप्रदेश में आगामी 5 अगस्त को ग्रामीण पथ विक्रेता योजना के अंतर्गत ऋण वितरण प्रारंभ किया जाएगा। इस संबंध में अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास बैंकर्स के साथ समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

संपादकीए

नई शिक्षा नीति और देश

नई शिक्षा नीति के तहत 2030 तक शत-प्रतिशत बच्चों को स्कूली शिक्षा में नामांकन कराने का लक्ष्य है। इसका मतलब हर बच्चे तक शिक्षा पहुंचाना या उन्हें शिक्षा से जोडऩा है। इसके अलावा राज्य स्कूल मानक प्राधिकरण में अब सभी सरकारी और निजी स्कूल शामिल होंगे। पहली बार सरकारी और निजी स्कूलों में एक नियम लागू होंगे। इससे निजी स्कूलों की मनमानी और फीस पर लगाम लगेगी। बदलती जरूरतों के अनुसार शिक्षा नीति में बदलाव की दरकार लंबे समय से महसूस की जा रही थी। मगर अब तक 1986 में बनी शिक्षा नीति के अनुसार ही शिक्षा व्यवस्था को संचालित किया जा रहा था। 1992 में इस नीति में कुछ बदलाव जरूर किया गया, पर उसे पर्याप्त नहीं माना जा रहा था। इसलिए भाजपा ने 2014 के अपने चुनाव घोषणा-पत्र में नई शिक्षा नीति लाने का भी अहम वादा किया था। सत्ता में आने के बाद उसने इस दिशा में कदम भी उठा दिया था। आखिरकार व्यापक सलाह-मशविरों और सुझावों के बाद के. कस्तूरीरंगन समिति द्वारा तैयार नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति घोषित कर दी गई है। स्वाभाविक ही इससे शिक्षा के क्षेत्र में अपेक्षित बदलाव की उम्मीद जागती है। नई शिक्षा नीति का मकसद स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक समय की मांग के अनुसार पाठ्यक्रमों में बदलाव और उसके जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युवाओं को प्रतस्पिर्धी परिवेश के लिए तैयार करना है। इससे युवाओं में कौशल विकास, नवोन्मेषी अनुसंधान और रोजगार के नए अवसर पैदा करने में मदद मिल सकती है। नई शिक्षा नीति का जोर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और कौशल विकास के लिए शिक्षकों के प्रशिक्षण पर भी है। इसके अलावा शिक्षा खर्च को छह फीसद तक ले जाने का संकल्प है। अब मानव संसाधन विकास मंत्रालय का नाम बदल कर फिर से शिक्षा मंत्रालय हो गया है। वैश्वीकरण के बाद की नई स्थितियों में शिक्षा क्षेत्र में बदलाव बड़ी जरूरत थी। यूपीए सरकार के समय ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था विकसित करने की बात उठी थी। उसके अनुसार शिक्षा क्षेत्र में बदलाव लाने और रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रणाली बनाने का संकल्प लिया गया था। मगर इस दिशा में कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं हो पाई थी। फिर हमारे देश में जिस तरह शिक्षा क्षेत्र में विषमता बढ़ती गई है, उसमें बुनियादी शिक्षा और फिर उच्च शिक्षा के स्तर पर व्यावहारिक बदलाव करने की मांग उठती रही है। फिलहाल सरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों की पढ़ाई-लिखाई के स्तर और सुविधाओं में बहुत बड़ा अंतर नजर आता है। इसे लेकर व्यापक सामाजिक असंतोष भी देखा जाता है। इस अंतर को पाटना बहुत जरूरी है। फिर उच्च शिक्षा के स्तर पर हमारे देश के विश्वविद्यालय पढ़ाई-लिखाई के तरीके, अनुसंधान, सुविधाएं आदि के पैमाने पर दुनिया के विश्वविद्यालयों के सामने फिसड्डी साबित होते रहे हैं। इस स्थिति से उबरने की जरूरत भी रेखांकित की जाती रही है। अब उच्च शिक्षा केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के तहत विद्यार्थियों को एक से दूसरे देशों में भेजने का मामला नहीं रह गया है। यह व्यावसायिक मामला भी है। नई शिक्षा नीति में इसे ध्यान में रखते हुए सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों को प्रोत्साहित और विकसित करने की रूपरेखा तैयार की गई है। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार न आ पाने या फिर विद्यार्थियों के कौशल विकास की दिशा में अपेक्षित नतीजे न आ पाने की बड़ी वजह शिक्षकों का नवोन्मेषी और नई जरूरतों के मुताबिक तैयार न होना रहा है। नई शिक्षा नीति में इस बिंदु पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया गया है। फिर पाठ्यक्रमों का स्वरूप रोजगार और विशेष योग्यता अर्जित करने, अनुसंधान आदि के आधार पर तैयार करने पर जोर दिया गया है। दरअसल, अब शिक्षा प्रणाली को न सिर्फ अपने देश की, बल्कि वैश्विक जरूरतों के मुताबिक ढालना बहुत जरूरी है, ताकि विज्ञान, तकनीकी शिक्षा, सामाजिक विज्ञान आदि क्षेत्रों में प्रतिभाओं को आगे बढऩे का मौका मिल सके। नई शिक्षा नीति से यह मकसद सध सकता है। अब सरकार का जोर इसे पूरी तरह लागू करने पर होना चाहिए।

बाल विवाह की कुप्रथा पर रोक जरूरी

सोनम लववंशी

बाल विवाह समाज के लिए सबसे बड़ा अभिशाप बना हुआ है। आज हम 21वीं सदी में जी रहे है, समाज में स्त्री और पुरूष के समान हक की बात भी करते है। लेकिन समाज में आज भी स्त्रियों को न ही समान हक दिया जाता है और न ही समान शिक्षा। इस बात में कोई अतिश्योक्ति नही की आज भी महिलाओं को समाज में पुरुषों से कमतर ही आका जाता है। आज भी लड़कियों को पराया धन समझा जाता है। यह सबसे बड़ा अभिशाप कहे या समाज की हकीकत, आज भी लड़कियों को या तो पैदा होते ही मार दिया जाता है। और अगर किसी तरह वह जिंदा रह भी गयी तो उन्हें न ही लड़को के समान शिक्षा दी जाती है, और न ही उनके हुनर को तवज्जों दी जाती है। बचपन से ही उन्हें ये कहा जाता है, कि वह पराया धन है। यहां तक की आज भी समाज में कम उम्र में ही लड़कियों की शादी कर दी जाती है। जिससे न केवल उनका मानसिक विकास रुक जाता है, अपितु शारिरिक विकास भी ठीक से नही हो पाता है। भारत में बाल विवाह आज भी चिंता का विषय है। बाल विवाह किसी बच्चे को अच्छे स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा के अधिकार से वंचित करता है। कम उम्र में विवाह से लड़कियों को हिंसा, दुर्व्यवहार और उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। शिक्षा के अवसर कम हो जाते है। बाल विवाह लड़कियों के लिए सदा एक अभिशाप ही रहा है। बाल विवाह रोकने के लिए समय समय पर कई कानून भी बनाये गए, लेकिन आज भी समाज में बाल विवाह का कलंक ज्यों का त्यों बना हुआ है। बाल विवाह पर रोक लगाने के लिए 1929 में बाल विवाह निरोधक अधिनियम कानून बनाया गया। इस अधिनियम में विवाह के लिए लड़के की उम्र 18 वर्ष और लड़की की उम्र 15 वर्ष निर्धारित की गई। लेकिन बाद में इसमें संशोधन किया गया और लड़के की उम्र 21 व लड़की की उम्र 18 वर्ष कर दी गई। लेकिन जैसा कि समाज में प्रचलित है अधिनियम बन जाना अलग बात है, लेकिन जमीनी हकीकत पर उसे लागू करने में वर्षों का समय लग जाता है। बाल विवाह पर प्रतिबंध लगाने के लिए राजाराम मोहन राय ने अथक प्रयास किए। इसकी शुरुआत अंग्रेजी शासन काल मे ही हो गई थी। लेकिन इस अधिनियम को प्रभावी बनाने के लिए 1978 में पुनः इसमें परिवर्तन किया गया और इसे शारदा बाल विवाह निरोधक अधिनियम नाम दिया गया। लेकिन आज की वास्तविक परिस्थितियों को देखे तो आज भी ये अधिनियम उतना प्रभावी नहीं हो सका है। आज भी न जाने कितनी मासूम लड़कियां कम उम्र में ही विवाह की बलि चढ़ा दी जाती है। जिस उम्र में उन्हें पढ़ाई लिखाई करना और सामाजिक ताने-बाने को समझने का समय होता उस उम्र में वो अपनी गृहस्थी का बोझ संभालती नजर आती है। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 47 फीसदी बालिकाओं की शादी 18 वर्ष से कम उम्र ही कर दी जाती है। रिपोर्ट बताती है कि 22 फीसदी लड़कियां 18 वर्ष से कम उम्र में ही मां बन जाती है। ये रिपोर्ट यह बताने के लिए काफी है कि आज भी रीति रिवाज और सामाजिक रूढ़िवादिता के फेर मे हम महिलाओं के साथ किस प्रकार का व्यवहार कर रहे है। 21वीं सदी में भी पितृसत्तात्मक सोच का ही वर्चस्व दिखाई देता है। हमारी भारतीय संस्कृति में जहां लड़कियों को देवी के रूप में पूजा जाता रहा हो आज वही लड़कियां अपमान और तिरष्कृत जीवन जीने को मजबूर हो रही है। और कही न कही इसका सबसे बड़ा कारण भी यही है कि समय से पूर्व ही उनका विवाह कर दिया जाता है और एक ऐसी ज़िन्दगी की बलि-वेदी पर चढ़ा दिया जाता है जहां उसे अपने अधिकार, अपनी बात रखने का कोई हक नही होता है। आज भी देश में एक वर्ग महिलाओं का ऐसा है, जो देश का संचालन कर रही है, ऊंचे पदों पर आसीन है लेकिन इनकी तादात बहुत कम है। गैर सरकारी संस्था यंग लाइवज व एनसीपीसीआर की 2011की जनगणना रिपोर्ट के अनुसार देश में एक दशक के भीतर 1.2 करोड़ बाल विवाह हुए। जिनमें 69.5 लाख करोड़ लड़के थे, जिनकी 21 साल से कम उम्र में शादी हो गई। 51.6 लाख लड़कियां थी जिनकी शादी 18 साल से कम उम्र में हो गई थी। आज एक बार फिर बाल विवाह कानून को और प्रभावी बनाने के लिए शारदा एक्ट में पुनः परिवर्तन की मांग उठ रही है। पुरुषों और महिलाओं के विवाह की न्यूनतम आयु में अंतर को रूढ़िवादी ओर पितृसत्तात्मक सोच से ग्रसित बताया जा रहा है। साथ ही महिलाओं की आयु को भी 18 वर्ष से बढ़ाकर 21 वर्ष करने की मांग की जा रही है। वैसे देखा जाए तो कम आयु में विवाह से महिलाओं को जीवन भर स्वास्थ्य सम्बंधित समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कम आयु में माँ बनने पर प्रजनन के दौरान मां या बच्चे की मृत्यु होने की संभावना भी बढ़ जाती हैं। कम उम्र में शादी के कई अन्य ख़तरे भी होते। मातृ मृत्यु दर कम उम्र की महिलाओं की सबसे ज्यादा है देश में। महिला और पुरुष की विवाह की आयु में अंतर होना संविधान के अनुच्छेद 14 जो समानता का अधिकार तथा अनुच्छेद 21 गरिमामयी जीवन जीने के अधिकार का उल्लंघन भी है कहीं न कहीं। ऐसे में आगामी समय में अगर लड़कियों की शादी की उम्र क़ानूनी रूप से 21 वर्ष तय कर दी जाती और उसका अनुपालना बेहतरी से होता है। तो इससे महिलाओं की स्थितियों में काफ़ी बदलाव देखने को मिल सकता।

प्रदेश और जनसंख्या के बीच पारस्परिक समायोजन

प्रत्येक देश में, चाहे वह आकर में बड़ा हो या फिर छोटा, वहाँ की जनसंख्या को अपने वातावरण के संसाधनों के साथ समायोजन निश्चित रूप से करना पड़ता है । समायोजन की जितनी अधिकता होगी, वहाँ की जनसंख्या उतनी ही अधिक सुखी व समृद्ध होगी । परंतु इस सुख और समृद्धि के लिए यह बिल्कुल भी जरूरी नहीं कि प्रत्येक प्रदेश अपना-अपना एक अलग सुखी संसार बसाने को तत्पर हो जाएं और वह दूसरे अन्य प्रदेशों से कोई आदान-प्रदान व व्यापार आदि करना बंद कर दें । बल्कि जरूरी यह है कि प्रत्येक प्रदेश की वर्तमान जनसंख्या वहाँ के भौतिक संसाधनों का अधिकाधिक विकास करने के लिए प्रयासरत रहे, जो वस्तु उस प्रदेश की जनसंख्या के उपयोग से ज्यादा उत्पादित हो रही हो, उस वस्तु का दूसरे प्रदेशों की मांग-आपूर्ति के अनुसार मुक्त निर्यात करें तथा जिन वस्तुओं का उत्पादन वहाँ की जनसंख्या उपभोग से कम है, उसका आयात अन्यत्र देशों से कर उपभोक्ता की मांग-आपूर्ति का मार्ग प्रशस्त करें । हालांकि जहाँ तक संभव हो सके प्रत्येक प्रदेश को अपने उत्पादन में आत्म-निर्भर जरूर बनना चाहिए, ताकि आपातकालीन स्थिति में भी प्रदेश की स्वायत्तता बरकरार रहे । उदाहरण स्वरूप आज की वर्तमान स्थिति पर एक नजर डालें तो, इस कोरोना काल की आपातकालीन स्थिति ने अच्छे-अच्छे विकसित देशों के नाक में नकेल कस दिया है, अगर यही अपने सभी जरूरी उत्पादों में आत्म-निर्भर होते तो स्थिति कुछ और होती । सबसे मुख्य बात यह कि आपातकालीन या साधारण दोनों स्थितियों में जनसंख्या की प्राथमिक जरूरत खाद्यान्न के रूप में देखी जा सकती है । इसलिए यह अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि हर देश व प्रदेश को कम से कम, अपनी खाद्य-सामग्री के उत्पादन में आत्म-निर्भर तो होना ही चाहिए या फिर उसके लिए प्रयासरत जरूर होना चाहिए । एक उदाहरण स्वरूप द्वितीय विश्व युद्ध के पहले ग्रेट ब्रिटेन की महज पाँच प्रतिशत जनसंख्या कृषि कार्य में संलग्न थी और जब द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हुआ तो, ब्रिटेन को अपनी जनसंख्या के लिए खाद्यान्न उपलब्ध कराने में बड़ी मशक्कत उठानी पड़ी, जिसके बाद ब्रिटेन ने अपने राष्ट्र की कृषि को पुनः विकसित करने में लग गया और आज वह अपने उपभोक्ताओं के अनुसार लगभग सभी खाद्य-सामग्रियों में आत्म-निर्भर है । भोजन की जरूरत पूर्ण होने के उपरांत, जीवन की अन्य आवश्यकताओं के उत्पादन में भी मौजूदा जनसंख्या को अपने देश व प्रदेश के साथ ज्यादा से ज्यादा समायोजन करना चाहिए । यदि प्रदेश और वहाँ की मौजूदा जनसंख्या के बीच समायोजन नहीं होता है, या फिर वहाँ की संसाधन उपलब्धता की तुलना में जनसंख्या अत्यंत अल्प या अत्यधिक होती है, तो उसका सीधा प्रभाव जनसंख्या के जीवन-स्तर के साथ-साथ प्रदेश की स्वायत्तता पर भी पड़ता है । मौजूदा संसाधनों के मुकाबले अत्यधिक जनसंख्या भार होने पर या तो जनसंख्या को स्वतः जीवन निवारक प्रतिबन्धों का प्रयोग करना पड़ता है, या फिर प्राकृतिक प्रतिबन्ध स्वतः क्रियाशील हो जाते हैं । यह प्राकृतिक प्रतिबन्ध सुनने में जितने आसान लग रहे हैं, वास्तव में उससे कहीं ज्यादा खतरनाक व भयानक होते हैं, जिनमें दरिद्रता, अकाल, भुखमरी, बीमारियां, महामारी, बाढ़, तूफान, युद्ध आदि । अतः इन प्राकृतिक प्रकोपों के भयानक स्वरूप से तो अच्छा स्वतः अपनाया जाने वाला मानवीय प्रतिबन्ध है, जिनमें परिवार-नियोजन, देरी से वैवाहिक संबंध, शिक्षा और संयम द्वारा संतुलन को बनाए रखना, एक सुखद अनुभूति है ।

मिथलेश सिंह मिलिंद
मरहट, पवई, आजमगढ़
(उत्तर प्रदेश)
9682472270

(चिंतन-मनन)

ईश्वर के दर्शन

सरस्वती चंद्र तीर्थयात्रा पर जा रहे थे। लंबे और कठिन सफर को देखते हुए साथ में बर्तन, भोजन और जरूरत का अन्य सामान भी था। रास्ते में एक गांव पार करते हुए वह वहां के एक वीरान मंदिर में रुक गए। पहले तो सोचा कि यहां कोई नहीं होगा पर मंदिर के अंदर गए तो देखा एक बीमार वृद्ध कराह रहे हैं। उनकी हालत देख लगता था कि उन्होंने काफी दिनों से कुछ खाया न हो। सरस्वती चंद्र को उन पर दया आ गई। उन्होंने कुछ समय वहीं रुककर उनकी सेवा करने का फैसला किया। उन्होंने अपने कपड़े उस वृद्ध सज्जन को पहना दिए। अपने सारे बर्तन मंदिर के उपयोग के लिए रख दिए। अपना भोजन भी उन्हें खिला दिया। फिर आसपास से फल और कुछ औषधियां ले आए। खाली समय में सरस्वती चंद्र मंदिर की सफाई में लगे रहते। इस तरह मंदिर का कायाकल्प हो गया। इधर वृद्ध सज्जन धीरे-धीरे स्वस्थ होने लगे। कुछ दिनों के बाद सरस्वती चंद्र बिना तीर्थधाम गए ही घर वापस आ गए। घर वालों ने इस तरह आने का कारण पूछा तो उन्होंने बताया कि रास्ते में ही उन्हें ईश्वर के दर्शन हो गए। इसलिए आगे जाने की उन्होंने कोई आवश्यकता ही नहीं समझी और लौट आए। इधर मंदिर के पुनरोद्धार हो जाने से लोग वहां फिर से आने-जाने लगे। इस तरह सूने पड़े मंदिर में रौनक लौट आई। वहां वह वृद्ध सज्जन हर किसी को यह बताते थे कि एक दिन यहां ईश्वर आए थे। उन्होंने ही इस मंदिर को तीर्थ बनाया और मुझे जीवन-दान दिया।

WBC जीवन है

WBC जीवन है, इसके अभाव में इंसान जीते जी मृत के समान होने लगता हैं, अगर ये सेल?स बॉडी में पूरी तरह नष्?ट हो जाएँ, तो शायद एक जीव टूट कर बिखर ही जायेगा, हर एक पार्ट सेल?स से बना है, सेल?स हमारे शरीर का सबसे छोटा भाग है, और एक सबसे छोटा अणु है जो परमाणु यानि ऊतक बनाता है, फिर अंग तंत्र और पूरे शरीर की रचना होती है, हम और कुछ नहीं अंसख्?य और अनगिनित सेल?स का एकरूप है, हम कंप्?यूटर के ह्द्द्ह्यश्चद्यह्व-ह्लद्बश्ठ की तरह हैं, जो कि कई श्चद्ब×द्गद्यह्य से बनता है और श्चद्ब×द्गद्यह्य कुछ इस तरह एक-दूसरे से चिपक कर नजदीक जुड़े होते हैं कि एक-दूसरे में कुछ इस तरह समा कर एक ही दिखाई पड़ते हैं। हमारा शरीर एक समुद्र की तरह है और समुद्र में पानी की छोटी-छोटी बूंदें सेल?स की तरह हैं, हमें विशाल समुद्र तो दिखाई पड़ता है, लेकिन हमारा ध्?यान उस समुद्र की छोटी-छोटी बूंदों पर नहीं जाता, क्?योंकि समुद्र में हर एक बूंद कुछ इस तरह मिल जाती है कि हम उसको समझ ही नहीं पाते, एक इंद्रधनुष कई रंगों से मिलकर बनता है, फिर भी हमें उसका एकरूप दिखाई देता है, हमारे शरीर का एकरूप वास्?तव में अनेक छोटी-छोटी सेल?स का समूह है।

अगर बात की जाए, 2ड्ढष्(2द्धद्बह्लद्ग ड्ढद्यश्शस्र ष्द्गद्यद्यह्य) यानि श्?वेत रक्?त कणिकाओं की, तो इनका जीवन काल सामान्?यत्ऱ 2-5 दिन तक का माना गया है, ये कोशिकाएं किसी भी रोगाणु या जीवाणु से चिपक कर उसे नष्?ट कर देती हैं, और शरीर को रोगों से बचाती हैं, जब हमारे शरीर में इनकी कमी हो जाती है, तो हम प्रतिरोधकता की कमी की वजह से किसी भी छोटी-बड़ी बीमारी की चपेट में आसानी से आ जाते हैं, इसलिए हमें इनको संतुलित रखने का और स्?वस्?थ्?य सेल?स बनाने का प्रयास करना चाहिए, ताकि हम स्?वस्?थ्?य रह सकें। स्?वस्?थ्?य ड्ढष्ट्ठ बनाने और इनकी कमी को पूर्ण करने के कुछ आसान कारगर नुस्खे आपसे साझा करता हूँ ऱ

1. हर एक मौसमी फल और हरी सब्जियाँ एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर हैं, इनको पर्याप्?त सेवन करने से हम बॉडी का डिटॉक्सिफिकेसन रोक सकते हैं, और ऐल्कलाइन लेवल बढ़ा सकते हैं, जिससे बॉडी को पर्याप्?त ऑक्?सीजन मिलती है, और हानिकारक जीवाणु और कैंसर सेल?स में कमी आती है।
2. सलाद वाली सब्जियां जैसे ककड़ी, धनिया, टमाटर, पत्?ता गोभी, बंदगोभी, गाजर, पालक आदि के सेवन से शरीर बेहद ऐल्?कलाइनिक हो जाता है, और इससे बीमारी का टिकना और नई बीमारी होना मुश्किल होता है, इस तरह के भोज्?य पदार्थ को सेवन करने से हमारी ड्ढष्ट्ठ को बल मिलता है, और नई ड्ढष्ट्ठ भी बनती हैं जो कि रोगों को टिकने नहीं देतीं।
3. विटामिन सी, जी हाँ विटामिन सी के प्राकृतिक स्त्रोत यानि वे फल और सब्?जी जो कि विटामिन सी से भरपूर हैं, स्?वस्?थ्?य ड्ढष्ट्ठ पैदा करते हैं और ये स्?वस्?थ्?य ड्ढष्ट्ठ हमारे शरीर को प्रतिरोधकता देती हैं, विटामिन सी आपकी उम्र को दस साल कम दिखाता है, इसलिए भी विटामिन सी लेना चाहिए। विटामिन सी, हमें संतरा, पपीता(1द्बह्लड्डद्वद्बठ्ठ ष्ट और श्व का स्रोत) नाशपाती, टमाटर, कीवी, स्ट्रॉवरी, मौसंबी, नीबू जैसे फलों में मिलता है।
4. अंकुरित अनाज प्रतिरोधकता को बढ़ाने में कारगर है, इसलिए अंकुरित अनाज अधिक मात्रा में लेना चाहिए, प्रतिरोधकता का सीधा संबंध ड्ढष्ट्ठ से ही है।

रुचिर जैन
दमोह(म.प्र.)

उगता सूरज ढलता सूरज है ।।

कभी रुकता नहीं कभी थकता नहीं
चलता ही रहता है ।
चर अचर चल अचल सभी जगह
जलता ही रहता है ।।

धूप में बारिश कभी
बारिशों में भी धूप निकलता है
कभी ।
यह सूरज भी अछूते नहीं
सूर्य में भी ग्रहण लग जाता है
कभी ।।

हवाओं का फिजाओं का
कोई असर नहीं ।
घटाएं खेले हर पल आंख मिचोली
जैसे उसका ही वंशज है ।
प्रकृति और नियति के बीच
उगता सूरज ढलता सूरज है ।।

जग में प्रत्यक्ष पूजा उगता सूरज का
जग में प्रत्यक्ष दर्शन ढलता सूरज का ।

अजब गजब संसार में कोटि-कोटि
नमन उगता सूरज को ।
शत शत वंदन ढलता सूरज को ।।

निराली दुनिया में अति अद्भुत
अति अचरज है ।
प्रकृति और नियति के बीच
उगता सूरज ढलता सूरज है ।।

कभी धूप कभी छांव जैसे
जग जीवन में के पूर्वज है ।
प्रकृति और नियति के बीच
उगता सूरज ढलता सूरज है ।।

स्वरचित एवं मौलिक
मनोजवम
सुदर्शन पार्क मोती नगर
नई दिल्ली

यह खुश है?

क्या खुशी है?
मुझे तलाश है
जीवन के रास्ते पर ...

सभी हैं
सप्ताहांत में मौज करो
यह खुश है?

पियो और नाचो
समुद्र के किनारे ... प्यार
यह खुश है?

त्योहार का मजा
इतना बना रहे हैं ...
परिवार के लिए ...
वह खुश है?

खुश क्या है?
खुश कहाँ है?

यह सवाल नहीं है
क्या जवाब हैज।

खुश खुश...
हमेशा सिर्फ मनोरंजन के लिए

हाँ .... अपने खुश के बारे में
एक मजेदार बात

कुछ भी नहीं है..
आनंदी के लिए ...5 +
ओट्टेरी सेल्वा कुमार

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में आ रहे काफी बदलाव

सुपस्टार मोनालिसा ने भोजपुरी ?फिल्म इंडस्ट्री को अश्लील बताया है। उन्होंने कहा कि ÷भोजपुरी इंडस्ट्री पर भले ही अश्लीलता का टैग लग चुका हो लेकिन मैंने कभी ऐसा काम नहीं किया।÷ हालांकि उन्होंने ये भी माना कि अब इस इंडस्ट्री में काफी बदलाव आ रहे हैं। वहां पर भी अच्छे विषयों पर भी फिल्में बननी शुरू हो गई हैं। बता दें कि मोनालिसा ने बांग्ला फिल्मों से भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। यहां पर उन्होंने जबरदस्त बोल्ड सीन से पहचान बनाई और इसके बाद उन्हें बिग बॉस का ऑफर मिला, यहां पर भी उन्होंने बोल्डनेस का तड़का लगाया। उन्होंने बिग बॉस में ही अपने बॉयफ्रेंड विक्रांत संह राजपूत से शादी की थी। वहीं बिग बॉस से निकलते ही उनकी फैन फॉलोइंग में चार चांद लग गए। बिग बॉस के बाद उन्हें ÷नजर÷ में डायन के किरदार से जबरदस्त सफलता मिली। वहीं मोनालिसा डांस रिएलिटी शो ÷नच बलिए÷ के सीजन 8 में भी पति के साथ नजर आई थीं। ?फिलहाल अब मोनालिसा वीगो वीडियो और वूट की पेशकश वीगो कॉमेडी की महासभा शो में बतौर जज नजर आने वाली हैं।

संजय दत्त को नाज है अपने बेटे शहरान पर

अभिनेता संजय दत्त को अपने बेटे शहरान पर गर्व है क्योंकि काफी दिनों से कड़ी अभ्यास करने के बाद आखिरकार उन्होंने सफलतापूर्वक फुल-स्प्लिट कर लिया है। संजय दत्त ने इंस्टाग्राम पर अपने नौ साल के बेटे को लिटिल कराटे किड कहते हुए उनकी एक तस्वीर साझा की है जिसमें वह फुल स्प्लिट करते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर को साझा करते हुए उन्होंने इसके कैप्शन में लिखा है, काफी दिनों के अभ्यास के बाद उसने आखिरकार सफलतापूर्वक फुल स्प्लिट कर लिया है! मेरा लिटिल कराटे किड। संजय की पत्नी मान्यता ने भी इस पोस्ट पर कमेंट किया है। उन्होंने लिखा है, माई बॉय।÷

दोस्ताना के सिक्वल का हिस्सा न बन पाने नहीं लगा बुरा

मुंबई । बालीवुड की अपकमिंग फिल्म %दोस्ताना 2% में न तो जॉन अब्राहम दिखेंगे और न ही बॉबी देओल, अभिषेक बच्चन और प्रियंका चोपड़ा। लोगों को इस बात से धक्का तो जरूर लगा और दुख भी हुआ। ऐसे में जब हाल ही में जॉन से पूछा गया कि उन्हें %दोस्ताना 2% का हिस्सा न बन पाने पर कैसा लग रहा है, तो उन्होंने कहा कि उन्हें बिल्कुल भी बुरा नहीं लग रहा है। करण जौहर की क्रिएटिविटी की तारीफ करते हुए उन्होंने आगे कहा कि %दोस्ताना 2% में भी प्रीक्वल जैसा ग्लैमर और एंटरटेनमेंट होगा। करण के दिमाग में सीक्वल को लेकर जरूर ही कुछ दिलचस्प होगा।

दीपिका ने रणवीर पर कमेंट किया हाय डैै

मुंबई। बालीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण और उनके पति रणवीर सिंह कभी भी सोशल मीडिया पर अपनी क्यूट हरकतों से लोगों को चौकाने में नहीं चूकते। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ, जब रणवीर सिंह ने फैंस के साथ इंस्टाग्राम पर लाइव सेशन रखा। रणवीर के लाइव जाते ही फैंस के कमेन्ट्स की बाढ़ आ गई और इसमें दीपिका पादुकोण का कमेंट भी मौजूद था। जहां इस बात में कोई सरप्राइज नहीं है कि दीपिका ने रणवीर की फोटो पर कमेंट किया। लेकिन दीपिका के कमेंट में लिखी बात जरूर चौंकाने वाली थी। दीपिका ने रणवीर के लाइव वीडियो पर कमेंट किया, %हाय डैडी%। इस बात से कान्स 2019 की खबरें आपके दिमाग में जरूर दौड़ जाती हैं, जब दीपिका की एक तस्वीर को देखकर मीडिया और फैंस ने उनके प्रेग्नेंट होने के कयास लगाए थे। ऐसे में अब शक होता है कि शायद ये अफवाह सही थी। दीपिका ने शुरुआत से ही अपनी प्रेग्नेंसी की अफवाहों के बारे में बात की है और इन्हें झुठलाया है। हालांकि अब फैंस परेशान हैं कि इस कमेंट का मतलब आखिर क्या हो सकता है। रणवीर सिंह ने पति के कमेंट के जवाब में हाय बेबी भी चिल्लाया। दीपिका के बाद अर्जुन कपूर के कमेंट को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। अब दीपिका के प्रेग्नेंट होने की खबर सच है या नहीं ये तो दीपिका और रणवीर ही जानते हैं। बता दें कि हाल के इंटरव्यू में दीपिका ने रणवीर सिंह के बारे में बात की थी। उन्होंने बताया कि उन्हें रणवीर संग फिल्म 83 में काम करना कैसा लग रहा है और ये भी बताया कि कैसे उन्होंने रणवीर को डिप्रेशन से अपनी लड़ाई के बारे में नहीं बताया था। इसी इंटरव्यू में उनसे पूछा गया कि रणवीर को क्या पसंद है तो दीपिका ने कहा, %कपड़ें, वैनिटी। रणवीर सिंह के फैशन के प्रति प्यार और फंकी स्टाइल को देखा जाए तो उन्होंने हमेशा से ही ये बात साफ रखी है कि उन्हें अलग-अलग कपड़ों से कितना प्यार है।

अजय देवगन ने शुरू की फ़िल्म 'आरआरआर' की शूटिंग!

मुंबई । अजय देवगन ने अब एस एस राजामौली की मैग्नम ओपस ÷आरआरआर÷ की शूटिंग शुरू कर दी है। अभिनेता जूनियर एनटीआर और राम चरण के साथ हैदराबाद में 25 दिनों के शेड्यूल में फ़िल्म की शूटिंग करेंगे। अजय देवगन ने अपनी हालिया रिलीज़ ÷तान्हाजी÷ के साथ बॉलीवुड में 100वीं फिल्म का सफ़र तय कर लिया है और फ़िल्म को देशभर से शानदार समीक्षा मिल रही है। बाहुबली के बाद फ़िल्म ÷आरआरआर÷ एसएस राजामौली का अगला बड़ा प्रोजेक्ट है जिसने न केवल भारत में बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी विशाल सफलता का आनंद लिया है। आरआरआर की टीम ने फिल्म की 70 प्रतिशत से अधिक शूटिंग पूरी कर ली है। फिल्म में आलिया भट्ट और अजय देवगन के साथ राम चरण और जूनियर एनटीआर की मुख्य भूमिका में है। फिल्म में अंतर्राष्ट्रीय अभिनेता रे स्टीवेन्सन, एलिसन डूडी और ओलिविया मॉरिस भी नज़र आएंगे। डीवीवी दानय्या द्वारा डीवीवी एंटरटेनमेंट के तहत निर्मित और एस एस राजामौली द्वारा निर्देशित।

साइना के निर्देशक ने किया परिणीति कि तारीफ

शटलर साइना नेहवाल की बायोपिक साइना के निर्देशक अमोल गुप्ते का कहना है कि फिल्म की मुख्य अभिनेत्री परिणीति (31) एक बेहतरीन अदाकारा हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म की शूटिंग फरवरी में पूरी हो जाएगी। मुंबई स्थित जमनाबाई नरसी स्कूल के 50वें स्थापना दिवस पर गुप्ते ने कहा, ÷वह वास्तव में बेहतरीन अदाकारा हैं। फिल्म में मानव कौल और शुभ्रज्योति जैसे शानदार कलाकार हैं। इसलिए हमने फिल्म में कोच के सात नेहवाल परिवार भी बनाया। मुझे लगता है कि मैं इससे ज्यादा भाग्यशाली नहीं हो सकता था।÷ फिल्म में पहले प्रमुख किरदार के लिए श्रद्धा कपूर को लेने की बात चल रही थी, हालांकि बाद में परिणीति को लिया गया। फिल्म में मानव कौल बैडमिंटन दिग्गज पुलेला गोपीचंद का किरदार निभा रहे हैं, जिन्होंने साइना का मार्गदर्शन किया।

'पति पत्नी और वो' की सफलता से भूमि खुश

डायरेक्टर मुदस्सर अजीज द्वारा बनी ÷पति पत?नी और वो÷ सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। बता दें ?कि इस फिल्?म में कार्तिक आर्यन, भूमि पेडनेकर और अनन?या पांडे मुख?य किरदारों में हैं। ?फिलहाल फिल्?म को बॉक?स ऑफिस पर अच?छा रिस?पॉन?स मिल रहा है। इसे क्रिटिक?स के साथ-साथ दर्शक भी काफी पसंद कर रहे हैं। यही वजह है कि फिल्?म ने पहले वीकेंड में 33 करोड़ से ऊपर का बिजनेस कर लिया है। वहीं फिल्?म को ऑडियंस से मिली तारीफों के बाद इसकी स?टारकास?ट सफलता को इंजॉय कर रही है। दरअसल बॉक?स ऑफिस नंबर्स पर बात करते हुए हाल ही में भूमि ने कहा कि वह नंबर्स को ज?यादा समझ नहीं पाती हैं लेकिन उन?हें मालूम है कि ÷पति पत?नी और वो÷ को हर वर्ग के लोग पसंद कर रहे हैं। फिल्?म के एक सीन में उनके बोल?ड डायलॉग ÷मुझे सेक?स बहुत पसंद है÷ पर लोग काफी चर्चा कर रहे हैं। इस पर जब उनसे सवाल किया गया कि क?या उन?हें इस डायलॉग को बोलते हुए अजीब नहीं लगा तो उन?होंने तुरंत कहा कि उन शब?दों को बोलकर अजीब नहीं लगा क?योंकि उनका कैरक?टर आज के समय की लड़की का है।

सामाजिक न्याय विभाग द्वारा

1 लाख 60 हजार 596 लोंगों को 14 करोड़ रूपये से अधिक की राशि उनके खातों में जमा कराई

मुरैना। चालू वित्तीय वर्ष के दौरान सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग द्वारा चंबल संभाग के 1 लाख 60 हजार 596 लोंगो को विभिन्न विभागीय योजनाओं में 14 करोड़ 5 लाख 27 हजार रूपये से अधिक की राशि उनके खातों में जमा कराई गई है। सामाजिक न्याय विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक के दौरान चंबल संभाग के कमिश्नर श्री रवीन्द्र कुमार मिश्रा ने यह जानकारी देते हुये अधिकारियों को निर्देश दिये कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, राष्ट्रीय विधवा पेंशन, राष्ट्रीय निःशक्त पेंशन, राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना जैसी अन्य कई योजनाओं में आवेदकों के आवेदन पत्र लम्बित नहीं होना चाहिये। जनपद पंचायत स्तर पर प्रकरणों की समीक्षा कर इनमें तत्काल स्वीकृतियां जारी करायें, किसी भी स्तर पर जरूरतमंद हितग्राहियों के प्रकरण लंबित नहीं रहना चाहिये। अगर आवेदन पत्र में कहीं कोई कमी है तो हितग्राही को तत्काल सूचना देकर उसकी पूर्ति कराई जाये। संभागीय समीक्षा के दौरान बताया गया कि चालू वित्तीय वर्ष के दौरान मुरैना जिले के 65 हजार 315 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं में 4 करोड़ 86 लाख 27 हजार रूपये उनके खातों में डाले गये है। इसी प्रकार भिण्ड जिले में 58 हजार 977 हितग्राहियों के खातों में 7 करोड़ 1 लाख 18 हजार रूपये और श्योपुर जिले में 35 हजार 304 हितग्राहियों के खातों में सामाजिक न्याय की विभिन्न योजनाओं में 2 करोड़ 17 लाख 82 हजार रूपये जमा कराया गया है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन के मुरैना जिले में 14 हजार 361 हितग्राहियों के खातों में 86 लाख 16 हजार रूपये, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन के 34 हजार 105 हितग्राहियों के खातों में 2 करोड़ 4 लाख 63 हजार रूपये, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्त पेंशन के 1 हजार 713 हितग्राहियों को 10 लाख 27 हजार रूपये, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के 14 हजार 231 हितग्राहियों के खातों में 85 लाख 38 हजार रूपये जमा कराये है। मुख्यमंत्री कन्या अभिभावक पेंशन योजना के 662 हितग्राहियों के खातों में 3 लाख 97 हजार रूपये, राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना में 9 मृतकों के परिजनों को 18 लाख, मानसिक बहु विकलांग अनुदान योजना में 1 हजार 231 हितग्राहियों के खातों में 73 लाख 86 हजार रूपये, निःशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना में 2 लोंगो को 4 लाख रूपये दिये गये है। इसी प्रकार भिण्ड जिले में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में 11 हजार 376 हितग्राहियों के खातों में 53 लाख 25 हजार रूपये, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन में 3 हजार 41 हितग्राहियों के खातों में 1 करोड़ 50 लाख 24 हजार, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना में 13 हजार 438 हितग्राहियों के खातों में 60 लाख 63 हजार रूपये, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्त पेंशन योजना में 1 हजार 545 हितग्राहियों के खातों में 92 लाख 70 हजार रूपये, मुख्यमंत्री कन्या अभिभावक पेंशन के 1 हजार 47 हितग्राहियों के खातों में 62 लाख 82 हजार रूपये, राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के 2 हितग्राहियों को 40 हजार रूपये, मानसिक बहुविकलांग अनुदान के 1 हजार 519 हितग्राहियों के खातों में 91 लाख 14 हजार रूपये, निःशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना के 4 हितग्राहियों को 65 लाख रूपये और मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह योजना के 5 हितग्राहियों को 60 लाख रूपये जमा कराये है। श्योपुर जिले में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में 13 हजार 807 हितग्राहियों के खातों में 82 लाख 84 हजार रूपये, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन में 12 हजार 932 हितग्राहियों के खातों में 77 लाख 59 हजार, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना में 8 हजार 83 हितग्राहियों के खातों में 48 लाख 50 हजार रूपये, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्त पेंशन योजना में 725 हितग्राहियों के खातों में 4 लाख 35 हजार रूपये, मुख्यमंत्री कन्या अभिभावक पेंशन के 360 हितग्राहियों के खातों में 2 लाख 16 हजार रूपये, मानसिक बहुविकलांग अनुदान के 397 हितग्राहियों के खातों में 2 लाख 38 हजार रूपये उनके खातों में जमा कराये गये है।

अपर कलेक्टर द्वारा शनि पहाड़ी स्थित मयूर शांति विहार में 1 हजार मीठे नीम के पौधे रौपे

मुरैना। अपर कलेक्टर श्री एसके मिश्रा द्वारा कई हजार मीठे नीम के पौधे तैयार कराये है, ताकि पूरे एरिया के लोग इन्हें मुफ्त में प्राप्त कर अपने घरों के गमलो में लगाकर मीठे नीम के पत्तियां भविष्य में घर मे ही प्राप्त कर भोजन में सेवन कर सके। हजारो छोटे-छोटे पोधो को कागज के छोटे कपो में लगाया है। उन्हें वितरण भी किया जा रहा है। शनि पहाड़ी स्थित मयूर शान्ति विहार में भी हजारों मीठे नीम के छोटे पौधे लगाये गए हैं, ताकि भविष्य में आसपास के निवासी व भक्तजन मीठे नीम की पत्तियों का सेवन कर स्वास्थ्य वर्धन मार सके। मीठा नीम महत्वपूर्ण औषधी मानी जाती है। जनसेवा के रूप में भारतीय आयुर्वेद को बढ़ावा देने की दृष्टि से प्रतिदिन आमजन को मुफ्त पौधे वितरण एवं उनका जीवन मे लाभ बतावें। आज भी सुबह दौड़ लगाने वाले युबा आधा सैकड़ा बच्चो को पौधे दिए गए।

प्री-प्राईमरी और प्रारंभिक कक्षाओं में भी ऑनलाइन शिक्षा दी जा सकेगी

मुरैना। भारत सरकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा ऑनलाइन डिजिटल शिक्षण प्रज्ञाता के संबंध में जारी निर्देशानुसार अब प्रदेश में प्री-प्राईमरी एवं प्राइमरी कक्षाओं में भी ऑनलाइन, डिजिटल कक्षाओं के माध्यम से शिक्षण कार्य किया जा सकेगा। केन्द्रीय मानव एवं विकास संसाधन मंत्रालय ने दूरस्थ शिक्षा विशेषकर मोबाइल, लैपटॉप, कम्प्यूटर के माध्यम से ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन को देखते हुए निर्देश जारी किये हैं। प्री-प्राईमरी कक्षाओं में सप्ताह में 3 दिन, अधिकतम 30 मिनट तक ऑनलाइन क्लास ली जा सकती है।

आयुष्मान भारत निरामयम् योजना से निःशुल्क डायलेसिस की मिली सुविधा

मुरैना। गरीब श्रीमती राजोदेवी पिप्पल को आयुष्मान भारत निरामयम् योजना से निःशुल्क डायलेसिस की सुविधा मिल रही है। जौरा खुर्द ललिता पुरा निवासी श्रीमती राजोदेवी पिप्पल पत्नि कमलेश जाटव ने बताया कि किडनी खराब होने से स्थानीय डॉक्टरों ने सलाह दी कि किडनी की डायलेसिस बड़े शहर ग्वालियर, दिल्ली में की जायेगी। यह सब बाते सुनकर श्रीमती राजोदेवी के पति श्री कमलेश जाटव के तलबों से जैसे जमीन खिचने लगी, वे घबरा गये और कहने लगे कि परिवार में 6 सदस्य है, जिनका खाने-पीने का प्रबंध मेरे अलावा और कोई नहीं कर सकता, दूसरा मेरी पत्नि की किडनी डॉक्टरों ने खराब होना बताया। इसका डायलेसिस में 80 हजार रूपये तक खर्च होना बताया। मैं अपने नसीब को कोस रहा था, कि मैं दिहाड़ी मजदूरी कर अपने बच्चों का बमुश्किल पालन पोषण करता हूं, इतनी रकम मेरे पास कहां है कि मैं पत्नि की किडनी का डायलेसिस पर 80 हजार रूपये खर्च कर सकूं। राजोदेवी पिप्पल के पति श्री कमलेश जाटव चिकित्सालय के गेट पर बैठे-बैठे सोच रहे थे, कि उसी समय आयुष्मान भारत योजना के एजेण्ट ने बताया कि प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान भारत निरामयम् योजना संचालित है। जिसमें परिवार आईडी, वोटर कार्ड की प्रति उपलब्ध कराने पर सर्वे रिपोर्ट 2011 में बीपीएल परिवार को आयुष्मान भारत निरामयम् योजना का लाभ दिया जाता है। जिसमें व्यक्ति 5 लाख तक ईलाज निःशुल्क प्राप्त कर सकता है। एजेन्ट की बात सुनकर कमलेश जाटव ने संबंधित दस्तावेज लाकर एजेन्ट को उपलब्ध कराये और उन्हें एजेन्ट ने कुछ समय बाद आयुष्मान भारत योजना का कार्ड तत्काल उपलब्ध करा दिया। कार्ड प्राप्त होते ही श्रीमती राजोदेवी पिप्पल की किडनी की डायलेसिस जिला चिकित्सालय मुरैना में निःशुल्क होने लगी। अब श्रीमती राजोदेवी नियमित डायलेसिस की सुविधा ले रहीं है। उनके पति कमलेश जाटव ने खुश होकर बताया कि शिवराज सरकार की आयुष्मान भारत निरामयम् योजना गरीबों के लिये मसीहा बन कर आई है। यह योजना नहीं होती तो मैं अपनी पत्नि का डायलेसिस नहीं करा पाता। भला हो ऐसी सरकार का जिन्होंने गरीबों के लिये आयुष्मान भारत निरामयम् योजना बनाई।

डी.डी.शाक्यवार

जिला अभियोजन मुरैना के अधिकारीगण तथा कर्मचारीगण द्वारा न्यायालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया

मुरैना। न्यायालय परिसर में क्लीन एंड ग्रीन अभियान के तहत शुक्रवार को जिला मुख्यालय में अभियोजन कार्यालय के पास न्यायालय परिसर में उपभोक्ता फोरम के समीप स्थित भूमि पर अभियोजन अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा पौधारोपण किया गया। जिसमें जिला अभियोजन अधिकारी श्री प्रमोद कुमार श्रीवास्तव के द्वारा पौधारोपण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। मीडिया सेल प्रभारी (अभियोजन) डॉ रश्मि वैभव शर्मा द्वारा बताया गया कि, संचालक लोक अभियोजन/ महानिदेशक श्री पुरुषोत्तम शर्मा के मार्गदर्शन में क्लीन एंड ग्रीन अभियान के तहत शुक्रवार को अभियोजन कार्यालय के समीप स्थित उपलब्ध भूमि पर अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण के द्वारा पौधे लगाये गये। शासन द्वारा निर्धारित और संचालक महोदय द्वारा जारी पूर्व आदेश के पालन में कोविड-19 कोरोनावायरस के संक्रमण से बचाव हेतु जारी गाइडलाइन्स का पालन करते हुये विभिन्न प्रजातियों के फल, फूल एवं छायादार पौधे जिनमे कदम, जामुन, गुड़हल, गुलमोहर, आँवला, शीशम, नीम, कन्हेर, हरषु, अमरूद, नीबू, वोगन विलिया, चांदनी, अशोक , जामुन आदि के पौधे लगाये गये। वृक्षारोपण कार्यक्रम में डीपीओ पी.के. श्रीवास्तव, , डॉ. रश्मि वैभव शर्मा, सतीश वर्मा, चंचल मोदी, रश्मि अग्रवाल, वंदना बंसल, उज्मा सुल्ताना, चित्रांशी मौर्य (सहायक अभियोजन अधिकारीगण) एवं पीसीडी महेश चंद्र शर्मा, एपीसीडी संजय मिश्रा, मीडिया सहायक गौरव सिंह, ब्रह्म प्रकाश शर्मा, दीवान सिंह मांझी, ऋषि गर्ग, धीरेंद्र सिंह, दीक्षा शर्मा, पंकज गौड़, राहुल अवस्थी, कुलदीप माहौर, गजेंद्र माहौर आदि उपस्थित रहे।

चंबल संभाग में चालू खरीफफसल के लिये किसानों को 82 करोड़ रूपये का ऋण वितरण का लक्ष्य

मुरैना। चालू खरीफ फसल अभियान के तहत इस वर्ष चंबल संभाग के किसानों को सहकारी बैंक के माध्यम से 82 करोड़ रूपये का ऋण वितरण लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पिछले खरीफ फसल 2019 में चंबल संभाग में 44.62 करोड़ रूपये का सहकारी बैंको से ऋण वितरित किया गया था। जिसे इस वर्ष 37 करोड़ 38 लाख बढ़ाकर लक्ष्य निर्धारित किया है। सहकारिता विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक के दौरान चंबल संभाग के कमिश्नर श्री रवीन्द्र कुमार मिश्रा ने बताया कि चालू खरीफ फसल के दौरान सहकारी बैंको से चंबल संभाग के किसानों को 82 करोड़ रूपये के ऋण देने का लक्ष्य प्रस्तावित किया है, इसमें से अभी तक 14 करोड़ 52 लाख रूपये के ऋण संभाग के तीनों जिलों में वितरण हुआ है। प्रस्तावित लक्ष्य के अनुसार चंबल संभाग में सर्वाधिक 36 करोड़ रूपये का ऋण भिण्ड जिले में किसानों को वितरित किया जायेगा। मुरैना जिले में 13 करोड़ और श्योपुर जिले में 33 करोड़ रूपये के ऋण सहकारी बैंको के माध्यम से किसानों को वितरित होगा। अभी तक भिण्ड जिले में 6.56 करोड़ मुरैना में 1.49 करोड़ और श्योपुर जिले में 6.47 करोड़ रूपये के ऋण वितरित किये गये है। बैंक की वित्तीय स्थिति की समीक्षा में बताया गया कि 55 करोड़ 71 लाख रूपये बैंक स्वयं के संसाधन से ऋण वितरण करेगी, 7 करोड़ रूपये अपेक्स बैंक से और 19 करोड़ 29 लाख रूपये नावार्ड से ऋण के रूप में किसानों को वितरित होंगे।

शनिवार एवं रविवार को खुलेंगे बाजार

जौरा । अनुविभागीय अधिकारी नीरज शर्मा द्वारा कलेक्टर के निर्देश पर शनिवार एवं रविवार को बाजारों को खोलने के आदेश जारी किए हैं अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय जोरा के स्टेनो के के शुक्ला से प्राप्त जानकारी के अनुसार ईद एवं रक्षाबंधन के त्यौहार को देखते हुए एसडीएम द्वारा आज 1 अगस्त शनिवार एवं 2 अगस्त रविवार को जोरा के बाजारों को खोलने के निर्देश जारी किए हैं एसडीएम द्वारा जारी निर्देश में यह भी लिखा है कि आगामी शनिवार रविवार एवं बुधवार को बाजार पूरी तरह से बंद रहेंगे 1 एवं 2 अगस्त को बाजार खुलने के दौरान एसडीएम द्वारा आम नागरिकों व्यापारियों से सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर शासन के नियमों का भी पालन करने की बात कही है।

ईएमएस/मोहने/ 31 जुलाई 2020

सभी शासकीय और अशासकीय विद्यालय 31 अगस्त तक बंद रहेंगे

राज्य शासन ने लोक स्वास्थ और लोक हित को देखते हुए आदेश जारी किया

मुरैना। उप सचिव मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश जारी किया है कि नोबेल कोरोना वायरस (कॉविड-19) व उससे जनित बीमारी के संक्रमण से बचाव हेतु प्रदेश के सभी शासकीय और अशासकीय विधालाय 31 अगस्त तक बन्द रखने के आदेश जारी किए है। विभागीय समसंख्यक आदेश 29 जून 2020 द्वारा प्रदेश के समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय 30 जुलाई 2020 तक बंद रखे जाने संबंधी निर्देश प्रसारित किए गए थे। राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि लोक स्वास्थ्य एवं लोक हित में प्रदेश की समस्त शासकीय, अशासकीय विद्यालय 31 अगस्त 2020 तक बंद रहेंगे। समय-समय पर जारी विभागीय आदेश अनुसार ऑनलाइन अध्यापन की गतिविधियां जारी रखी जा सकेगी।

(कहानी सच्ची है)

पर्यावरण को शुद्ध रखने में प्लास्टिक के स्थान पर पेपर ग्लास हो रहा कारगर सिद्ध

प्लास्टिक ग्लास का विकल्प बना पेपर ग्लास

मुरैना। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से केंद्र व राज्य सरकारें सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पाद पर प्रतिबंध लगा रही हैं तथा इन उत्पादों के विकल्प के रूप में पेपर ग्लास, नोन वूवन बैग, कपड़ों के बैग का चलन समाज में बढ़ रहा है। इसका जीता जागता उदाहरण टीआईटी कॉम्पलेक्स मुरैना में मिलता है। जहां अब प्लास्टिक से तोबा कर 200 से 250 एम.एल. तक के पानी पीने के पेपर ग्लास तैयार हो रहे है। जिसका अपर कलेक्टर श्री एसके मिश्रा ने गुरूवार को शुभारंभ किया। शादी समारोहों में प्लास्टिक ग्लास और कटोरी का बहुतायत से उपयोग होता है, जिससे पर्यावरण प्रदूषण के साथ साथ उसके अनेक दुष्प्रभाव देखे जाते हैं, प्लास्टिक ग्लास के विकल्प के रूप में मुरैना नगर में 55, 65, 85, 90, 200 तथा 250 एम. एल. के पेपर ग्लास का उत्पादन प्रारंभ हो चुका है। फ्लतः चाय से लेकर जूस ग्लास तक सिंगल यूज प्लास्टिक ग्लास के उपयोग के स्थान पर आम नागरिक पेपर ग्लास की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उल्लेखनीय हैं कि इस यूनिट की स्थापना श्रीमती संध्या राठौर पत्नी श्री शैलेन्द्र राठौर ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना (पी. एम. ई. जी. पी.) के तहत व्यवसाय स्थापित करने हेतु कराई है, उन्हें पूरा विश्वास है कि इस इकाई के उत्पादों से शादी समारोहों में सिंगल यूज प्लास्टिक उपयोग के स्थान पर लोग पेपर ग्लास का ही प्रयोग करेंगे, इन पेपर उत्पादों का मूल्य भी मिट्टी के कुल्लड़ व सरैया आदि से एक चौथाई रहता है अतः लोगों का खर्च भी कम होगा। यह पर्यावरण को किसी प्रकार से दूषित नहीं होने देता है और व्यक्ति को शादी समारोह में बहुत कम कीमत पर खर्च होता है। इससे धन की तो बचत होती है साथ ही पर्यावरण को बचाने में पेपर ग्लास कारगर सिद्ध हो रहे है।

डी.डी.शाक्यवार

इटली के शहर जेनोवा में खेले गए एक फुटबाल मैच में मिलान के ज्लाटन इब्राहिमोविक गोल करने के बाद खुशी मनाते हुए। यह मैच फेरारिस स्टेडियम में सैम्पडोरिया और मिलान के बीच खेला गया था।

अकमल को राहत

कराची। पाकिस्तान के बल्लेबाज उमर अकमल को बड़ी राहत मिली है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अकमल पर लगा तीन साल का प्रतिबंध घटाकर 18 महीने का कर दिया है। अकमल का प्रतिबंध फरवरी 2020 से अगस्त 2021 तक प्रभावी रहेगा। स्वतंत्र निर्णायक फकीर मोहम्मद खोखर ने उमर के प्रतिबंध को कम किया पर वह इससे खुश नहीं है और दोबारा अपील करना चाहते हैं। उमर ने इस फैसले के बाद कहा, मुझसे पहले भी काफी क्रिकेटर थे जिन्होंने भ्रष्टाचार किया था पर किसी को भी मेरे जैसी सख्त सजा नहीं दी गयी थी। इसलिए मैं एक बार फिर अपील करूंगा कि मेरी सजा और कम कर दी जाये। अकमल पर अप्रैल में तीन साल का प्रतिबंध लगाया गया था क्योंकि वह पाकिस्तान सुपर लीग से पहले भ्रष्टाचार की पेशकश की रिपोर्ट करने में असफल रहे थे। उन्होंने अपनी गलती मान ली थी पर उन्होंने अपने पक्ष को सही ठहराने की भी कोशिश की।

टेनिस को अलविदा कह सकते हैं फेडरर

जिनेवा। स्विटजरलैंड के अनुभवी टेनिस स्टार रोजर फेडरर अब खेल को अलविदा कह सकते हैं। पिछले कुछ समय से अपनी फिटनेस को लेकर संघर्ष कर रहे 38 साल के फेडरर ने कहा है कि वह संन्यास लेने पर विचार करने लगे हैं। इस दिग्गज खिलाड़ी ने कहा कि अब वह अपने अंतिम दौर में हैं हालांकि उनमें अभी टेनिस बचा है और वह जीत भी सकते हैं। उनकी इच्छा अब केवल ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने की बची हुई है। कोरोना महामारी के कारण टेनिस का वर्तमान सत्र स्थगित है और ऐसे में फेडरर भी अपने घर पर ही हैं। फैडरर ने कहा, यह पहले से ही स्पष्ट है कि मैं अपने करियर के अंत में हूं। मैं यह नहीं कह सकता कि दो साल में क्या होगा। यही कारण है कि मैं साल-दर-साल योजना बना रहा हूं। मैं अभी भी खुश हूं लेकिन जब मैं रुक जाऊंगा या उम्रदराज हो जाऊंगा तो भी मैं निश्चित रूप से टेनिस खेलना चाहूंगा।

कोरोना संकट के बीच 139 दिन बाद आज होगी वनडे क्रिकेट की वापसी, आयरलैंड और इंग्लैंड के बीच मुकाबला

नई दिल्ली । कोरोना के कारण क्रिकेट पर लंबे समय तक लगा ब्रेक खत्म हो चुका है। टेस्ट

क्रिकेट के बाद गुरुवार से वनडे क्रिकेट की वापसी होने वाली है। टेस्ट फॉर्मेट की तरह वनडे फॉर्मेट की वापसी भी वर्ल्ड चैंपियन इंग्लैंड की जमीन पर ही होगी। आयरलैंड की टीम इंग्लैंड की सरजमीं पर तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलने वाली है। पिछला वनडे मुकाबला 13 मार्च को ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया था।ऑस्ट्रेलिया के सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में 13 मार्च को वनडे मुकाबला खेला गया था इसके बाद से अब तक 139 दिन हो चुके हैं, लेकिन अब तक किसी अंतरराष्ट्रीय वनडे मैच का आयोजन नहीं हुआ था। यह वनडे क्रिकेट इतिहास में दो अंतरराष्ट्रीय वनडे मैचों के बीच दूसरा सबसे बड़ा ब्रेक है। इसके पहले साल 1991 में दो वनडे मैच 143 दिन के अंतर के बाद हुए थे। मैच मेजबान इंग्लैंड के लिए काफी खास है। जुलाई 2019 में वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद इंग्लैंड पहली बार घर पर वनडे मुकाबला खेलने वाला है। पिछली बार जब अपने घर पर वनडे मैच खेलने उतरे थे तब लॉर्ड्स का मैदान दर्शकों से भरा हुआ था हालांकि इसबार सब इसके उलट होगा। आयरलैंड और इंग्लैंड के बीच यह वनडे मैच खाली स्टेडियम में खेला जाएगा। आयरलैंड और इंग्लैंड के बीच अब तक दस मुकाबलें हुए हैं। इंग्लैंड का पलड़ा हमेशा भारी रहा है। 10 में से आठ मैच इंग्लैंड ने जीते हैं, एक मैच आयरलैंड ने वहीं एक मैच बेनतीजा रहा है। आयरलैंड ने साल 2011 में भारत में हुए वर्ल्ड कप के लीग राउंड में आयरलैंड ने इंग्लैंड को मात दी थी। हालांकि इसके बाद से वह इंग्लैंड को हरा नहीं सकी है। **इंग्लैंड –** इयोन मोर्गन (कप्तान), मोइन अली, जॉनी बेयरस्टो, टॉम बेनटन, सैम बिलिंग्स, टॉम कुरेन, लियाम डॉसन, जो डेनली, साकिब महमूद, आदिल राशिद, जेसन रॉय, रीस टॉपले, जेम्स विंस और डेविड विली **आयरलैंड–** एंड्रयू बालबर्नी (कप्तान), कुर्टिस कैंफर, जेरेथ डेलानी, जोश लिटिल, एंड्रयू मैकब्राइन, बैरी मैकार्थी, केविन ओ ब्रायन, विलियम पोर्टरफील्ड, बॉयड रैंकिन, सिमि सिंह, पॉल स्टर्लिंग, हैरी टेक्टर, लोरकान टकर, क्रेग यंग।

बत्रा की अध्यक्षता में बना राष्ट्रमंडल खेल संघ

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा की अध्यक्षता में 11 सदस्यीय भारतीय राष्ट्रमंडल खेल संघ का गठन किया गया है। बत्रा के अलावा इस समिति में आईओए के वरिष्ठ अधिकारियों आरके आनंद (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), अनिल खन्ना (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), राजीव मेहता (महासचिव) और आनंदेश्वर पांडे (कोषाध्यक्ष) को भी शामिल किया गया है। समिति के अन्य सदस्य वीडी नानावटी, आदिले सुमरिवाला,

कुलदीप वत्स, अजय सिंह, दुष्यंत चौटाला और अजित बनर्जी होंगे। केंद्रीय मंत्री और भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष अर्जुन मुंडा और भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के प्रमुख रनिंदर सिंह समिति के विशेष आमंत्रित सदस्य हैं। राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) के अनुसार प्रत्येक राष्ट्रमंडल देश में अपना राष्ट्रमंडल खेल महासंघ होना चाहिए जो सदस्य देशों के बीच खेल गतिविधियों से जुड़े मामलों को हल करे। भारतीय राष्ट्रमंडल खेल संघ बर्मिंघम में 2022 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों सहित राष्ट्रमंडल देशों से जुड़े मामलों के संदर्भ में खेल महासंघ के साथ मिलकर काम करेगा।

कोविड-19 के बीच ट्रेनिंग जारी रख खुश हैं विश्व चैम्पियन पैरा भाला फेंक एथलीट गुर्जर

नई दिल्ली। शीर्ष भारतीय भाला फेंक पैरा एथलीट सुंदर सिंह गुर्जर को इस बात की खुशी हैं कि कोविड-19 के बावजूद उनकी ट्रेनिंग में कोई ब्रेक नहीं लगा, क्योंकि उन्होंने पिछले चार महीनों से जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम को अपना घर बना लिया। वह स्टेडियम में लड़कों के होस्टल में रह रहे हैं और जब से 2015 से उन्होंने पैरा एथलेटिक्स शुरू की, तब से यह उनका ट्रेनिंग मैदान रहा है। वह एफ46 भाला फेंक स्पर्धा में 2017 और 2019 में विश्व चैम्पियन रह चुके हैं। लॉकडाउन से पहले लड़कों और लड़कियों के होस्टल में ट्रेनिंग करने वाले सभी खिलाड़ी अपने घर लौट गये थे लेकिन गुर्जर ने स्टेडियम के अंदर अपनी ट्रेनिंग जारी रखी।

हीरो ओपन में उतरेंगे शुभंकर

मैनचेस्टर । भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा गुरुवार से यहां शुरू हो रहे हीरो ओपन में भाग लेंगे। इस स्पर्धा के साथ ही पहली बार कोई भारतीय कंपनी यूरोप में किसी पेशेवर गोल्फ प्रतियोगिता को

प्रायोजित करेगी।इस टूर्नामेंट की कुल इनामी राशि 10 लाख यूरो है। वहीं 56 साल के मिगुएल एंजेल जिमेनेज यूरोपीय टूर पर रिकॉर्ड 707वें टूर्नामेंट में खेलेंगे। स्पेन का यह गोल्फर 1982 में पेशेवर बना था। जिमेनेज ने अपने करियर में 33 अंतरराष्ट्रीय खिताब जीते जिसमें यूरोपीय टूर के 21 खिताब भी शामिल हैं। वह इसमें शामिल होते ही सैम टोरेंस के 706 टूर्नामेंट में खेलने के रिकॉर्ड को तोड़ेंगे। यूरोपीय टूर पर दो बार के विजेता शुभंकर पहले दो दिन एंडी सुलिवन और एडी पेपेरेल के साथ खेलेंगे।

क्वैलकॉम ने पेश किया क्विच चार्ज-5, पांच मिनट में चार्ज होगी 50 फीसदी बैटरी

नई दिल्ली। अमेरिकी चिप मेकर क्वैलकॉम ने ने क्विकत चार्ज-5 प्लान का ऐलान किया है। इस कंपनी ने एक बार फिर फास्ट चार्जिंग रेस में सबसे आगे रहने का प्रयास किया है। कंपनी ने दावा किया है कि क्विक चार्ज-5 इसके पिछले वर्जन यानी क्विक चार्ज 4 के

मुकाबले काफी तेज है। क्वैलकॉम क्विक चार्ज-5 में 100वाट का सपोर्ट दिया गया है। कंपनी के मुताबिक ये बैटरी को 10त्न तक ठंडा रखता है और बूट करने में ये 70त्न ज्याद इफिशिएंट है। कंपनी ने कहा है कि कंपनी जो टेस्ट किया है उसमें ये चार्जर 4,500एमएएच की बैटरी को 5 मिनट में 0 से 50त्न तक चार्ज कर सकता है। 15 मिनट में इस रेंज की बैटरी को फुल चार्ज किया जा सकेगा। इस चार्जर के आउटपुट वोल्टेज की बात करें तो ये 3.3वाट से 20वाट तक दे सकता है। नए वर्जन का चार्जर इसके पुराने वर्जन के मुकाबले लगभग चार गुना फास्ट होगा। ये मुमकिन करने के लिए कंपनी ने दो पावर मैनेजमेंट आईसी का इस्तेमाल किया है। कंपनी ने कहा है कि क्विक चार्ज 5 का सपोर्ट स्नैपड्रैगन 865 और स्नैपड्रैगन 865 प्लस प्रोसेसर वाले स्मार्टफोन्स में दिया गया है।

पेट्रोल और डीजल के दाम में राहत जारी

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनियों द्वारा आज पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई तब्दीली नहीं की गई है। दिल्ली, मुंबई और चेन्नई और कोलकाता में पेट्रोल और डीजल के दाम पहले के तरह ही हैं। आज दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 80.43 रुपये प्रति लीटर है। वहीं, डीजल की कीमत 81.94 रुपये प्रति लीटर है। आईओसीएल की वेबसाइट से मिली जानकारी के अनुसार, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में एक लीटर पेट्रोल की कीमत क्रमश– 82.10, 87.19 और 83.63 रुपये प्रति लीटर है। डीजल की बात करें, तो इन महानगरों में इसका दाम क्रमश– 77.04, 80.11 और 78.86 रुपये है।

पहली तिमाही में इंडिगो को 2,844 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के बीच उड़ानों पर प्रतिबंध से देश की प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो को चालू वित्त वर्ष की 30 जून को समाप्त पहली तिमाही में 2,844 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। पहली तिमाही में समग्र आधार पर एयरलाइन का राजस्व 88.31 प्रतिशत घटकर 1,143.8 करोड़ रुपए रह गया। पिछले साल इसी तिमाही में उसने 9,786.9 करोड़ रुपए का राजस्व कमाया था। इस दौरान उसका कुल व्यय 50 फीसदी से ज्यादा घटकर 3,986.4 करोड़ रुपए रहा। कंपनी को 2,844.6 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। कोविड-19

के कारण करीब दो महीने तक यात्री उड़ानें पूरी तरह ठप रहीं। घरेलू यात्री उड़ानें 25 मई से दुबारा शुरू की गई हैं, लेकिन अभी सीमित उड़ानों की ही अनुमति दी गई हैं। जितनी उड़ानें उपलब्ध हैं उनमें भी यात्रियों की संख्या कम है। इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोनोजॉय दत्ता ने परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विमानन क्षेत्र इस समय संकट के दौर से गुजर रहा है। प्रतिबंधों के कारण तिमाही के दौरान उपलब्ध सीट-किलोमीटर में 90.9 फीसदी की गिरावट आई है जबकि यात्री-किलोमीटर 93.8 प्रतिशत घट गया है। पैसेंजर लोड फैक्टर यानी भरी सीटों के अनुपात में 27.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। कंपनी ने बताया कि उसके पास 18,449.8 करोड़ रुपए की नकदी उपलब्ध है जिसमें 7,527.6 करोड़ रुपए की मुक्त नकदी है। कंपनी ने लागत कम करने के लिए 10 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की है। साथ ही मई में उसने वेतन में 25 प्रतिशत तक की कटौती की थी तथा सितंबर में 35 फीसदी तक की और कटौती की जाएगी।

पुलिस ने रेत माफियाओं के खिलाफ की ताबड़तोड़ कार्यवाही

रेत मफियाओं में हड़कंप रेत से भरे एक डम्पर सात ट्रेक्टर.ट्रालियों को किया जप्त

ग्वालियर। दिनांक 31ण07ण2020। काफी समय से जिला ग्वालियर के देहात क्षेत्र में अवैध रेत उत्खननध्परिवहनध्भण्डारण की शिकायतें प्राप्त हो रही थींए जिनकी वरिष्ठ स्तर पर समीक्षा की गई तथा पुलिस महानिरीक्षकए ग्वालियर जोन श्री अविनाश शर्मा एवं उप पुलिस महानिरीक्षकए ग्वालियर रेंज श्री ए0के0 पाण्डे के द्वारा जिला ग्वालियर के वरिष्ठ अधिकारियों की मीटिंग लेकर निर्देशित किया गया कि अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जावे। यद्यपि पूर्व में भी अवैध परिवहन व उत्खनन के विरूद्ध कार्यवाही की गई हैए किन्तु इसके उपरान्त भी अवैध रेत परिवहन की सूचनायें निरंतर प्राप्त हो रही थीं। अवैध रेत परिवहन की सूचना प्राप्त होने पर पुलिस अधीक्षकए ग्वापलियर श्री अमित सांघी द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकए ग्रामीण डॉ0 रायसिंह नरवरिया के निर्देशन में एसडीओपी डबरा श्री उमेश सिंह तोमर के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम द्वारा रात्रि में अवैध रेत से भरे हुये डम्परए ट्रेक्टरध्ट्राली एवं चालकों को घेराबंदी कर पकडा गया। पकडे गये डम्परए

ट्रेक्टरध्ट्राली व चालकों की जानकारी निम्नानुसार है द्व डम्पर क्रमांक आरजे11.जीआर.7706 अशोक लिलेंड पीले रंग का चालक फरार। ट्रेक्टर क्रमांक एमपी07.एबी.4098चालक निहाल सिंह पुत्र जसवंत सिंह गुर्जर निवासी लोहारपुरा थाना बेहट जिला ग्वालियर। ट्रेक्टर क्रमांक एमपी07.एबी.6898चालक नीरज पुत्र राम लाल जाटव निवासी किरोल थाना गिजोर्रा जिला ग्वालियर। ट्रेक्टर क्रमांक एमपी07.एबी.2867चालक लवकुश पुत्र सुलमान सिंह कुशवाह निवासी ग्राम किरौल थाना गिजोर्रा जिला ग्वा।लियर। ट्रेक्टर क्रमांक एमपी07.एबी.6581चालक चेतन पुत्र रामकिशन परिहार निवासी मेहगांव थाना गिजोर्रा जिला ग्वा्लियर। ट्रेक्टर क्रमांक एमपी07.एबी.5703चालक फरार ट्रेक्टर क्रमांक एमपी07.एबी.2014चालक फरार ट्रेक्टरक्रमांक एमपी07.एबी.3766चालक रिंकू पुत्र धनीराम कुशवाह उम्र 20 साल निवासी धर्मपुरा थाना गिजोर्रा जिला ग्वालियर उक्त डम्पजर एवंट्रेक्टर मय ट्रालियों के रेत से भरे हुये अवैध रूप से रेत खनिज का परिवहन करते जप्त किये गये।जिसमें जप्तशुदा रेत खनिज की कीमत लगभग 1ए50ए000ध् रूपये है। सभी ट्रेक्टरध्ट्रालियों पर धारा 379 भादवि 4ध्21 खनिज अधिनियम के अन्तर्गत अपराध पंजीबद्ध किये गये। इनके विरूद्ध पूर्व में कृत कार्यवाही का रिकार्ड भी खंगाला जा रहा है। उल्लेखनीय है किहाल ही में दिनांक 19ण07ण20 को ग्राम चैतगांव थाना करहिया में पुलिस व प्रशासन की संयुक्त कार्यवाही के दौरान करीब 500 ट्राली अवैध रूप से तैयार कृतिम रेत व 07 स्ट्रक्ररों को जेसीबी की सहायता से नष्ट कराया गया थाए साथ ही थाना डबराए बिलौआए आंतरी पुलिस मे संयुक्तम कार्यवाही कर दिनांक 28ण07ण2020 को 10 ट्रेक्टारों को अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए भी जत्पक किया गया था। सराहनीय कार्य दृउक्तक कार्यवाही मे प्रशिक्षू उनि देवेन्द्र लोधीए प्रशिक्षू उनि सुमित सुमनए सउनि वी0के0दीक्षितएआरक्षक जितेन्द्र तिवारीए एफआरवी बल आरक्षक इन्द्रपाल सिंहए आरक्षक कृष्णकांत पलिया के साथ.साथ थाना प्रभारी बिलौआ अनिल सिंह एवं थाना प्रभारी डबरा शहर व थाना आंतरी के बल का योगदान सराहनीय रहा।

संक्रमण की रोकथाम के लिये अधिकारी-कर्मचारी पूर्ण गंभीरता से कार्य करें

कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने डबरा क्षेत्र में भ्रमण के दौरान दिए निर्देश

ग्वालियर। कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम के लिये अधिकारी और कर्मचारी पूरी गंभीरता के साथ कार्रवाई करें। जिन क्षेत्रों में पॉजिटिव प्रकरण आ रहे हैं उन क्षेत्रों को तत्काल कंटेनमेंट क्षेत्र घोषित कर बेरीकेटिंग, सर्वे के साथ-साथ सप्लाई चैन की व्यवस्थायें सुनिश्चित की जाना है। डबरा क्षेत्र में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री राघवेन्द्र पाण्डे द्वारा कंटेनमेंट क्षेत्र में बेहतर व्यवस्थायें करने पर कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने उन्हें बधाई दी है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह शुक्रवार को डबरा भ्रमण पर पहुँचे और कोविड-19 के तहत किए जा रहे प्रबंधनों की जानकारी लेकर कंटेनमेंट क्षेत्र का निरीक्षण भी किया। उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्देशित किया कि जिन क्षेत्र को भी कंटेनमेंट क्षेत्र के रूप में घोषित किया जाए वहाँ पर सभी व्यवस्थायें पुख्ता हों यह भी सुनिश्चित किया जाए। संक्रमण न फैले यह हमारी पहली प्राथमिकता है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने निरीक्षण के दौरान यह भी कहा कि कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम के साथ-साथ राजस्व प्रकरणों के निराकरण का भी कार्य अब तेजी के साथ किया जाना चाहिए। इसके साथ ही सरकार शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों का क्रियान्वयन भी डबरा क्षेत्र में तेजी के साथ हो, यह सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में छोटा-छोटा व्यवसाय करने वाले व्यवसाइयों को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत सहायता उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने की बात भी कही।

शहरी क्षेत्र में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन और सभी लोग मास्क पहनकर निकलें, यह भी सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने यह भी कहा कि शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में मजदूरी करने वाले ऐसे श्रमिक जो अन्य प्रदेशों से अपने घर लौटे हैं उन्हें भी काम मिले, इसकी चिंता भी की जाए।

एसपी ने सेवानिवृत्त हुए पुलिस अधिकारी व कर्मियों को दी भावभीनी विदाई

ग्वालियर। पुलिस कन्ट्रोल रूम सभागार में आज पुलिस से सेवानिवृत हुए पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों के लिये विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी,भापुसे द्वारा पुलिस विभाग से सेवानिवृत हुए पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह, शाल व श्रीफल देकर विदाई दी गई। इस दौरान अति0 पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री रायसिंह नरवरिया एवं रक्षित निरीक्षक ग्वालियर अरविन्द दांगी के अलावा पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों से नौकरी के

दौरान उनके अनुभवों को भी साझा किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने सेवानिवृत्त हुए पुलिस कर्मियों को बेहतर स्वास्थ्य व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और सभी से कहा की वह स्वयं व परिवार को कोरोना के संक्रमण से बचाए रखें। सेवानिवृत्त होने वाले पुलिस अधिकारी व कर्मचारीगण इस प्रकार हैं- निरीक्षक हीरासिंह चौहान, उप निरी0 रविन्द्र सिंह, श्यामसुन्दर पाण्डे, सहायक उप निरीक्षक राकेश चौहान, मनोहर सिंह भदौरिया, चित्तर सिंह, प्र0आर0 जगदीश सिंह, रामफल पिपरौलिया, कल्लू राम वर्मा, घनश्याम सोलंकी, श्रीनारायण गुप्ता, सुरेश शर्मा एवं प्र0आर0 कमलेश तिवारी विभाग से सेवानिवृत्त हुए। जिसमें थाना प्रभारी गोले का मन्दिर निरीक्षक हीरासिंह चौहान एवं सहायक उप निरीक्षक चित्तर सिंह पुलिस विभाग में 44 वर्ष 5 माह की सेवा उपरान्त सेवानिवृत्त हुए है।

इमरती देवी ग्वालियर से करेंगी विश्व स्तनपान सप्ताह का शुभारंभ

ग्वालियर। महिला-बाल विकास मंत्री श्रीमती इमरती देवी शनिवार एक अगस्त को ग्वालियर से विश्व स्तनपान सप्ताह का ऑनलाइन शुभारंभ करेंगी। साथ ही इस अवसर पर आयोजित वेबीनार में भी शामिल होंगी। वेबीनार में प्रमुख सचिव महिला-बाल विकास श्री अशोक शाह, संचालक महिला-बाल विकास श्रीमती स्वाती मीणा नायक, समस्त संभागीय संयुक्त संचालक, जिला कार्यक्रम अधिकारी, परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक, ऑगनवाडी कार्यकर्ता और यूनीसेफ के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

आरोग्य सेतु एप डाउनलोड कराने का कार्य कर रहा है एन.एस.एस.

ग्वालियर। । कोविड-19 कोरोना महामारी से जूझ रहा विष्व आम लोगों की सुरक्षा के लिये कई प्रकार के प्रयास कर रहा है। भारत सरकार द्वारा जनहित में सुरक्षा के लिये आरोग्य सेतू एप लांच किया गया। जिससे कोरोना सर्वमित व उसके आस-पास के लोगों की जानकारी मिल सके। आरोग्य सेतू एप को सभी को डाउनलोड करना चाहिए ऐसा सरकार का प्रयास है, परन्तु 4 माह होने के उपरांत भी बहुत कम लोगों ने इसको डाउनलोड किया है। जिसके लिये माधव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा समाज हित में

डॉ. संजय कुमार पाण्डेय वरिश्ठ कार्यक्रम अधिकारी राश्ट्रीय सेवा योजना माधव महाविद्यालय, ग्वालियर के नेतृत्व में आरोग्य सेतू एप डाउनलोड कराने का कार्य स्वयंसेवकों द्वारा किया गया। डॉ. पाण्डेय ने बताया कि आरोग्य सेतू एप कोरोना संकट काल में काफी महत्वपूर्ण है जिसके लिये समाज को जागरूक होना पडेगा। महाविद्यालय में परीक्षा फॉर्म के समय आने वाले विद्यार्थियों को जिन्होंने यह एप डाउनलोड नहीं किया है उनको इस एप को डाउनलोड कराने का प्रयास किया गया। आरोग्य सेतू एप हमारे घर के आस-पास के कुछ क्षेत्रों में कोरोना मरीज की जानकारी हमें उपलब्ध कराता है। डॉ. मनोज अवस्थी ने आरोग्य सेतू एप के बारे में कहा कि यदि हमारे पास यह एप डाउनलोड होगा तो जब भी घर से बाहर निकलते हैं और यदि किसी अनजान कोरोना मरीज के संपर्क में आते हैं तो हमें यह आरोग्य सेतू एप हमें लगभग 10 किलोमीटर की स्थिति से आगाह करता है। इस कार्यक्रम में स्वयं सेवक तरूण रोहिरा, अंकुर चौरसिया, हेमन्त मांझी, अनुरूद्ध षर्मा, विनय प्रताप, कु. प्रियंका किरार, अनुभव दीक्षित आदि उपस्थित थे।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने मोतीमहल स्थित टॉयलेट को स्वयं श्रमदान कर किया साफ

सफाई के प्रति प्रत्येक कर्मचारी समझे अपनी जिम्मेदारी : ऊर्जा मंत्री तोमर

ग्वालियर। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने मोतीमहल में शासकीय कर्मचारियों के लिए बनाए गए टॉयलेट को गंदा देखकर स्वयं श्रमदान कर उसकी सफाई की। कर्मचारियों से आग्रह किया कि सभी कर्मचारी सफाई के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें और शासकीय कार्यालयों के टॉयलेट में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें। इसके साथ ही इस परिसर में टॉयलेटों की साफ सफाई के लिए जिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही की जावे, इसके निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर संभागीय आयुक्त के साथ चर्चा करने मोतीमहल स्थित संभागीय आयुक्त कार्यालय पहुँचे थे। वापस लौटते समय कार्यालय की कुछ महिला कर्मचारियों द्वारा मंत्री श्री तोमर से शिकायत की गई कि कार्यालय में उनके लिए बनाए गए

टॉयलेट की साफ-सफाई नियमित रूप से नहीं होती तथा शौचालय गंदे होने के कारण उन्हें काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है। शिकायत सुनते ही मंत्री श्री तोमर ने मोतीमहल परिसर स्थित शौचालयों की साफ सफाई व्यवस्था देखी तो शौचालय गंदे पाए गए, जिसको देखते ही तत्काल उन्होंने आवश्यक संसाधन मंगा कर स्वयं ही शौचालयों की साफ सफाई करना प्रारंभ कर दिया। इसके उपरांत उन्होंने सभी कर्मचारियों से आग्रह किया की शासकीय कार्यालय परिसर में शौचालयों की साफ-सफाई की जिम्मेदारी को समझें तथा सभी शासकीय कार्यालयों के शौचालय साफ व स्वच्छ रहना चाहिए, इसके लिए अधिकारी लगातार मॉनिटरिंग करें और शासकीय कार्यालयों के शौचालयों को नियमित रूप से साफ कराएं। इसके साथ ही मंत्री श्री तोमर ने संयुक्त आयुक्त राजस्व श्री आर पी भारती से कहा कि शासकीय कार्यालयों में महिलाओं के लिए उपलब्ध जन सुविधा के संसाधनों का विशेष ध्यान रखें तथा इस परिसर में शौचालयों की साफ सफाई के लिए जो भी जिम्मेदार है उसके खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान संयुक्त आयुक्त राजस्व श्री आरके भारती सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

पुष्पांजली टुडे

क्लासिफाइड में अगले दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से सांय 6 बजे तक

डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm.
(Min. size 5×9)
कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज
12×5 - 2000 रु

नि:शुल्क
बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रंद्धाजलि शोक संदेश उठावनी

संपर्क सूत्र : 8269307478,7999246560

प्रतिभा हम निखारेंगे

अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी लेख कविताओं को हम देंगे जगह, आपके अंदर की प्रतिभाओं को हम उभरेंगे। तो देर किस बात की अभी हमे भेंजे अपनी कविता,लेख,कहानी,या फिर देख की आर्थिक स्थिति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार आप हमें व्हाट्सएप या मेल कर सकते है।

हमारा उद्देश्य - भारत को में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकलना।

पुष्पांजली टुडे
E-mail - pushpanjalitoday@gmail.com
Whatsapp :- 8269307478,7999246560,9691270207

नोट : मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो और नाम/पता/व्हाट्सएप अवश्य भेंजे

Pro- Bipin Singh Tomar
9301759475 9713253992
Mail-Vipintomar172@gmail.com

Somya Advertise & Marketing Service
Boost Your Business In Lockdown
Promote Your Business & Generate Leads
Bulk Sms & Voice call Marketing
Bulk Whatsapp Sender
Digital Marketing
Door To Door Marketing
Flex And Pritning & Printing Media
E. media, FM Redio
Add- Radha Krishna Plaza Near By Police Choki Sabji Mandi Pinto Park Gwalior (M.P.)

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478